आषाढ़ शुक्ल - 1 | संवत 2082 | वर्ष - 12 | अंक - 326 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » गुरुवार » 26-06-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 शार्दुल ठाकुर की जगह दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव को मिल सकती है जगह

6 परमाणु हथियारों के बहाने किए गए युद्ध का परिणाम क्या हुआ?

7 मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

फर्स्ट टेक

अमेरिका और ईरान के अधिकारी अगले सप्ताह वार्ता करेंगे : ट्रंप

द हेग/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के अधिकारी अगले सप्ताह बातचीत करेंगे, जिससे इजराइल और तेहरान के बीच हालिया संघर्ष के कारण बाधित हुई वार्ता बहाल होगी। नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान प्रेस वार्ता में ट्रंप ने कहा, ''मैं आपको बता दूं कि हम अगले सप्ताह ईरान के साथ बातचीत करने जा रहे हैं। हम किसी समझौते पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं।'' ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने में कोई खास दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर दिया है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 14 सैनिकों की हत्या की

अबूजा/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य नाइजर राज्य में सैकड़ों बंदूकधारियों के साथ संघर्ष में 14 सैनिक मारे गए। सेना के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। सेना प्रवक्ता अपोलोनिया एनेले के अनुसार, मंगलवार को 300 से अधिक बंदूकधारी मारिगा परिषद क्षेत्र में जंगलों से गांवों पर हमला करने की योजना बना रहे थे, तभी सेना ने उनसे निपटने के लिए सैनिकों को तैनात किया। एनेले ने बताया कि अभियान में 10 सैनिक घायल भी हो गये। उन्होंने कहा कि कि इस ऑपरेशन में दुश्मनों को भी काफी नुकसान हुआ है।

लावरोव ने रूस-भारत-चीन वार्ता शीघ्र शुरू होने की उम्मीद जताई

मॉस्को/भाषा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत और चीन के बीच संबंधों में सुधार के संकेतों का हवाला देते हुए बुधवार को उम्मीद जताई कि रूस-भारत-चीन (आरआईसी) त्रिपक्षीय वार्ता जल्द फिर से शुरू होगी। वर्ष 2020 में भारत और चीन की सेनाओं के बीच गलवान घाटी में टकराव के बाद से आरआईसी त्रिपक्षीय वार्ता स्थगित है। भारत सहित 40 देशों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विश्व अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञों की वार्षिक बैठक प्रिमाकोव रीडिंग्स में बोलते हुए, लावरोव ने भारत के साथ विशेष रूप से विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के महत्व और क्षमता की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव की विरासत को याद किया, जिन्होंने 1990 के दशक में नौकरशाही मुक्त 'आरआईसी ट्रोइका' के गठन की पहल की थी। उन्होंने कहा, पिछले कुछ सालों में इसकी कई बार बैठक हो चुकी है। हमारी बैठकें कुछ समय के लिए रुकी हुई थीं, पहले महामारी के कारण और बाद में भारत-चीन सीमा पर तनाव के कारण।

सूर्यास्त 26-06-2025	सूर्योदय 27-06-2025
6:38 बजे	5:45 बजे

BSE	NSE
82,755.51	25,244.75
(+700.40)	(+200.40)

सोना	चांदी
10,216 रु.	120,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तू तू-मैं मैं

वो कुछ बोले तुम कुछ बोलो,
फिर कुछ-कुछ सारे बोलें।
इक दूजे के मतभेदों को,
भेद-भेद करके खोलें।
दिखलाते वे बजा-बजा कर,
सारे ढोलों में पोलें।
अपनी-अपनी स्वार्थ तुला पर,
सब अपने सपने तोलें।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरा होने के मौके पर कहा

लोकतांत्रिक इतिहास के 'सबसे काले अध्यायों' में से एक था आपातकाल

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल का विरोध करने वाले लोगों के बलिदान का स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया।
- मोदी सरकार ने पिछले वर्ष घोषणा की थी कि आपातकाल की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरा होने के मौके पर बुधवार को कहा कि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के ''सबसे काले अध्यायों'' में से एक था और तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ''लोकतंत्र को बंदी बना लिया'' था। मोदी ने यह भी कहा कि आपातकाल के दौरान जिस तरह से संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया, उसे कोई भी भारतीय कभी नहीं भूलेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रमुख सहयोगी जनता दल (यू) के शीर्ष नेताओं ने कांग्रेस आपातकाल को घेरा तो मुख्य विपक्षी दल ने कहा कि पिछले 11 वर्षो से देश में ''अघोषित आपातकाल'' लगा हुआ है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल का विरोध करने वाले लोगों के बलिदान का स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया। मंत्रिमंडल ने आपातकाल का विरोध करने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ क्षणों का मौन रखा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा, जिनके संविधान प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकार छीने गए और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा।

प्रस्ताव में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन अनगिनत व्यक्तियों के बलिदान को स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया, जिन्होंने आपातकाल और भारतीय संविधान की भावना को कुचलने के प्रयासों का साहसपूर्वक विरोध किया। यह दमनचक्र 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान को बलपूर्वक कुचलने के प्रयासों से शुरू हुआ था।

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट कर मोदी ने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्याय में से एक है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को दबा दिया गया और बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया।

बेंगलूरु के वृद्धाश्रम में बुजुर्ग दंपत्ति मृत पाए गए

बेंगलूरु। बेंगलूरु के एक वृद्धाश्रम में बुधवार को एक बुजुर्ग दंपति फंदे से लटके पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान कृष्णमूर्ति (81) और उनकी पत्नी राधा (74) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात सामने आई है, हालांकि पुलिस सभी पहलू से घटना की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि दंपति इससे पहले 2021 में बैयटरायणपुरा स्थित एक वृद्धाश्रम में रहे थे, लेकिन 2023 में अपने बेटे के पास रहने के लिए लौट आए। उन्हें हाल ही में जेपी नगर स्थित वृद्धाश्रम में रहने के लिए भेज दिया गया था, जहां यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

शुभांशु शुक्ला निकले अंतरिक्ष की सैर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/लखनऊ/भाषा। बुधवार को 'स्पेसएक्स फाल्कन 9' रॉकेट पर सवार होकर अंतरिक्ष की ओर बढ़ते हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने पूरे देश की उम्मीदों को पंख लगा दिए और अपने उस सपने को साकार किया, जो संभवतः पहली बार उन्होंने तब देखा था जब वह बच्चे के रूप में एक एयर शो में गए थे।

रॉकेट के आसमान में प्रवेश करते ही भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुक्ला 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए।

शुक्ला (39) के पास विभिन्न प्रकार के लड़ाकू जेट विमानों पर 2,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला इसरो-नासा समर्थित एक्सिओम स्पेस के वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान का हिस्सा हैं, जो फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए 14 दिन की यात्रा पर रवाना हुआ है।

लाखों लोग अंतरिक्ष में उड़ने का सपना देखते हैं और शुक्ला जैसे कुछ लोग इसे साकार कर पाते हैं।

उनकी बड़ी बहन शुचि शुक्ला को याद है कि यह सब कब शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, ''बचपन में वह एक बार एयर शो देखने गया था। बाद में उसने मुझे बताया कि वह विमान की गति और ध्वनि से कितना मोहित हो गया था। फिर उसने उड़ने के अपने सपने के बारे में बताया, लेकिन निश्चित रूप से उस समय कोई नहीं बता सकता था कि वह अपने सपने को कितनी जल्दी पूरा करेगा।''

भारतीय वायुसेना के पायलट अभिनंदन को पकड़ने वाला पाक सेना का अधिकारी तालिबान के हमले में मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तानी सेना के विशेष सेवा समूह का एक अधिकारी तालिबानी उग्रवादियों के साथ झड़प में मारा गया, जिसने 2019 में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भारतीय वायुसेना के पायलट अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने का दावा किया था। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के बयान के अनुसार, 37 वर्षीय मेजर सैयद मुईज अब्बास शाह मंगलवार को अफगानिस्तान की सीमा के पास दक्षिण वजीरिस्तान के सरारोगा इलाके में तालिबानी उग्रवादियों के साथ झड़प में मारे गए।

बयान में कहा गया कि 27 वर्षीय लांस नायक जिब्रानउल्ला की भी इस हमले में मौत हो गई। इसमें कहा गया कि सेना के जवानों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 11 आतंकवादियों को मार गिराया और सात अन्य घायल हो गए।

मुईज के जनाजे की नमाज रावलपिंडी के चकलाला गैरीसन में पढ़ी गई और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी इसमें शामिल हुए।

स्थानीय मीडिया की खबरों में इस बात का जिक्र किया गया कि मुईज वही अधिकारी थे जिन्होंने अभिनंदन को पकड़ा था और उन्हें भीड़ हिंसा से बचाया था। 'जियो टीवी' के साथ मुईज के साक्षात्कार की एक पुरानी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें तब कैप्टन रहे मुईज को अभिनंदन को पकड़ने का विवरण देते हुए देखा जा सकता है।

मोदी सरकार के हाथों की कठपुतली बन गया है निर्वाचन आयोग : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग को नरेन्द्र मोदी सरकार के हाथों की कठपुतली बन जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि चुनाव प्रक्रिया में 'खामियों' का विषय आयोग के समक्ष उठाया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का विशेष रूप से उल्लेख किया और कहा कि मत पत्र से चुनाव कराए जाने चाहिए।

खरगे ने कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में संवाददाताओं से कहा, ''निर्वाचन आयोग सरकार के हाथों की कठपुतली बन गया है...आपके पास एक कठपुतली है और आप (प्रधानमंत्री मोदी) दावा करते हैं कि आप चुनाव जीत रहे हैं। आप चुनाव नहीं जीत रहे हैं, आपकी मशीन जीत रही है।'' उन्होंने महाराष्ट्र को लेकर दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया में खामियां हैं।

उनका कहना था, ''निर्वाचन आयोग से पहले हमने मतपत्र की मांग की थी। क्या उसने यह किया? मोदी जी जो कहते हैं वही आप (आयोग) करते हैं। आप जो मोदी जी के लिए कर रहे हैं, उसके लिए धन्यवाद।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमने पूरी कोशिश की, कानून के तहत की। अगर सरकार ने ठान लिया है कि जो गलती हो रही है उसे आगे लेकर चलना है और आयोग उन्हीं के इशारे पर चलता है तो इसकी दवा सिर्फ जनता दे सकती है। हम जनता के पास बार-बार जाएंगे। हम लड़ते रहेंगे।''

खरगे ने इस बात पर जोर दिया, ''जब सारी दुनिया मतपत्र पर चल रही है तो आप क्यों नहीं चल रहे? हमारी मांग है कि मतपत्र से चुनाव कराए जाएं।

अकाली दल नेता बिक्रम मजीठिया अमृतसर में गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने अकाली दल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को 540 करोड़ रुपये से अधिक की ''ड्रग मनी'' का शोधन करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व मंत्री मजीठिया की गिरफ्तारी सतर्कता दल द्वारा अमृतसर स्थित उनके आवास पर छापेमारी के बाद हुई। ब्यूरो ने दावा किया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि मादक पदार्थ से अर्जित 540 करोड़ रुपये से ज़्यादा राशि का कई माध्यमों से शोधन किया गया जिसकी सुविधा कथित तौर पर मजीठिया ने प्रदान की। ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मजीठिया और उनकी पत्नी गनीव कौर मजीठिया के नाम पर चल और अचल दोनों प्रकार की संपत्तियों में काफी वृद्धि हुई है।

संविधान सर्वोच्च है, लोकतंत्र के तीनों अंग इसके तहत काम करते हैं : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (महाराष्ट्र)/भाषा। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने बुधवार को कहा कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और लोकतंत्र के तीनों अंग संविधान के तहत काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन उनकी राय में संविधान सर्वोपरि है।

पिछले महीने 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाले न्यायमूर्ति गवई अपने गृहनगर पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती में अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमेशा इस बात पर चर्चा होती है कि लोकतंत्र का कौन सा अंग सर्वोच्च है - कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका। उन्होंने कहा, ''हालांकि कई लोग कहते और मानते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरे अनुसार भारत का संविधान सर्वोच्च है। लोकतंत्र के सभी तीनों अंग संविधान के तहत काम करते हैं।''

'मूल ढांचे' के सिद्धांत के आधार पर उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित निर्णय का उल्लेख करते हुए प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे में बदलाव नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ आदेश पारित करने मात्र से कोई न्यायाधीश स्वतंत्र नहीं हो जाता। उन्होंने कहा, ''न्यायाधीश को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों तथा संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर कर्तव्य भी डाला गया है।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि किसी न्यायाधीश को इस बात से निर्देशित नहीं होना चाहिए कि लोग उनके फैसले के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। उन्होंने कहा, ''हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग क्या कहेंगे, यह हमारी निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकता।

मोदी ने 2014 में वंशवादी राजनीति को जड़ से उखाड़ फेंका : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के तानाशाही विचारों का 25-वर्षीय युवा के रूप में विरोध किया था और इसके खिलाफ गांव-गांव जाकर विरोध जताया था।

शाह ने कहा कि आपातकाल देश में वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने के लिए लगाया गया था और यह मोदी ही थे, जिन्होंने 2014 में इसे (वंशवादी राजनीति) जड़ से उखाड़ फेंका।

उन्होंने ''द इमरजेंसी डायरीज- इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर'' नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर यह बात कही। यह पुस्तक में आपातकाल-विरोधी आंदोलन के दौरान मोदी के अनुभवों का संकलन है। उन्होंने कहा, ''वह (मोदी) उस वक्त 25-वर्षीय युवा थे, जिन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री के तानाशाही विचारों का विरोध किया था।''

गृह मंत्री ने कहा कि आपातकाल वंशवादी राजनीति को फिर से स्थापित करने के लिए लगाया गया था, लेकिन मोदी ने इसके खिलाफ घर-घर, गांव-गांव और शहर-शहर जाकर विरोध जताया और आखिरकार 2014 में उन्होंने पूरे देश से वंशवादी राजनीति को जड़ से उखाड़ फेंका। शाह ने कहा कि पुस्तक में आपातकाल के दौरान एक युवा 'संघ प्रचारक' के रूप में मोदी के काम का उल्लेख है कि कैसे उन्होंने जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख के नेतृत्व में 19 महीने लंबे आंदोलन के दौरान भूमिगत रहकर लड़ाई लड़ी।

पुस्तक में विस्तार से बताया गया है कि कैसे वे मीसा अधिनियम के तहत जेल गए लोगों के घर गए और उनके परिवारों से बात की तथा उनके इलाज की व्यवस्था की।

गृह मंत्री ने कहा कि पुस्तक में यह भी बताया गया है कि कैसे मोदी ने गुप्त रूप से प्रकाशित कई समाचार पत्रों को बाजारों, चौराहों, छात्रों और महिलाओं के बीच वितरित किया तथा उन्होंने गुजरात के 25-वर्षीय युवा के रूप में संघर्ष का नेतृत्व किया।

शाह ने कहा कि मोदी उस समय भूमिगत होकर काम करते थे- कभी संत बनकर, कभी सरदार जी बनकर, कभी हिप्पी बनकर, कभी अगरबत्ती विक्रेता बनकर, तो कभी अखबार विक्रेता बनकर।

गृह मंत्री ने कहा कि इस पुस्तक में मीडिया सेंसरशिप, सरकारी दमन, संघ और जनसंघ के संघर्ष, आपातकाल के पीड़ितों का वर्णन और तानाशाही से लेकर जनभागीदारी तक के पांच अध्याय हैं। उन्होंने देश के युवाओं से पुस्तक पढ़ने की अपील की, ताकि वे जान सकें कि एक युवा व्यक्ति जिसने अपने शुरुआती दिनों में तानाशाही के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, अब इस देश में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत कर रहा है और ''वह हमारे प्रधानमंत्री मोदी हैं''।

सीबीएसई 2026 से दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा साल में दो बार आयोजित करेगा

नई दिल्ली/भाषा। सीबीएसई के दसवीं कक्षा के छात्र 2026 से एक शैक्षणिक सत्र में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे, हालांकि फरवरी में होने वाले पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मई में होने वाला दूसरा चरण उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसा की गई है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा।''

भारत की संस्कृति और विरासत प्रेरणादायक : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि भारत की संस्कृति, साहित्य और विरासत हम सब को आज भी प्रेरित करती है। मुरादाबाद स्थित 15 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित संविधान साहित्य वाटिका के लोकार्पण के अवसर पर उन्होने कहा कि संविधान साहित्य वाटिका से आने वाली पीढ़ी को अपने कर्तव्य और दायित्वों का बोध होगा ।

उन्होंने कहा कि मुरादाबाद के कारीगरों ने अपनी शिल्पकला से दुनिया भर में भारत की पहचान बनाई हैं। यहां के साहित्यकार, लेखक और विचारकों ने अपनी लेखनी, विचार और गीतों से देश और दुनिया को नया विचार देने का काम किया है। उन्होंने कहा विविधता में एकता हमारी ताकत है। दुनिया में यही विविधता हमारी सामर्थ्य बनी है। स्वतंत्रता के बाद हमने लोकतंत्र के विचारों को आत्मसात करके प्रगति की है।

मुरादाबाद स्थित यह वाटिका लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संविधान के मूल सिद्धांतों को दर्शाता है। यह एक ऐसा स्थान है जो कला, इतिहास और नागरिक शिक्षा को एक साथ जोड़ता है। वाटिका के केंद्र में विशेष कलात्मक इंस्टॉलेशन (स्थापना) बनाए गए हैं जो संविधान के विकास की कहानी बताते हैं।

आपातकालः मुख्यमंत्री यादव ने संघ परिवार की भूमिका को सराहा, कांग्रेस से की माफी की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर कहा कि लोकतंत्र की बहाली में संघ परिवार और तत्कालीन विपक्षी नेताओं का योगदान ऐतिहासिक था। उन्होंने कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व से आपातकाल के कलंक के लिए देश की जनता से माफी की मांग की।

यादव ने एक बयान में कहा कि आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों के संघर्ष के कारण भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा और जीवंत गणराज्य बन गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगा दिया था और इस दौरान कई नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया तथा प्रेस की आजादी पर भी अंकुश लगाया गया था। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आपातकाल लगाए जाने की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मना रही है।

यादव ने कहा, ''लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में संघ परिवार और तत्कालीन विपक्षी नेताओं का योगदान ऐतिहासिक है। भारतीय जनसंघ, जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित कई देशभक्त संगठनों ने लोकतंत्र की रक्षा और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के खिलाफ लड़ाई ठीक वैसी ही है जैसे देश की आजादी के लिए लड़ी गई थी। उन्होंने कहा, ''अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी भाई देसाई, चौधरी चरण सिंह और अन्य प्रभावशाली विपक्षी नेताओं ने लोकतंत्र को बचाने के संघर्ष में साहसिक भूमिका निभाई।''

मुख्यमंत्री ने आपातकाल के खिलाफ और देश की आजादी के लिए लड़ने वालों को नमन करते हुए कहा, ''हमारी पार्टी और हमारे वैचारिक परिवार ने आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को बचाने और भारत को एक मजबूत गणतंत्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।''

मुख्यमंत्री ने बाद में इंदौर में पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी हमेशा से संविधान का मखौल उड़ाती रही है। उन्होंने कहा,''देश पर आपातकाल का कलंक कांग्रेस के शासनकाल में लगा था और लोकतंत्र को बंदी बना लिया गया था। इसके लिए कांग्रेस के वर्तमान नेतृत्व को जनता से क्षमा मांगनी चाहिए।''

भाजपा शासन में संविधान की धज्जियां उड़ाई गईं लेकिन पार्टी आपातकाल की बरसी मना रही : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई गईं लेकिन सत्तारूढ़ दल आपातकाल लागू होने की 50वीं बरसी मना रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा आपातकाल की बरसी मनाने का उद्देश्य खरीद-फरोख्त के जरिए निर्वाचित सरकारों को गिराना और दलितों, आदिवासियों व महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के अपने स्वयं के कुकृत्यों को छिपाना है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह, प्रदेश पार्टी प्रमुख जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ के परिसर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर यहां आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। मेला ग्राउंड के पास सूर्य नमस्कार चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया गया। सिंह ने इस दौरान कहा, हम भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर वे उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ परिसर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति नहीं देते हैं, तो यह माना जाएगा कि वे संविधान के मुख्य निर्माता के खिलाफ हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने संविधान को जलाया और इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, आज यह साबित हो गया कि हम संविधान बचाने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि वे इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रहे हैं।

आपातकालः दादी का जिक्र कर सिंधिया ने कांग्रेस को घेरा, विपक्षी दल का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी दादी एवं भाजपा नेता दिवंगत विजयाराजे सिंधिया और आपातकाल का उल्लेख करते हुए बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा, जिसको लेकर मुख्य विपक्षी दल ने पलटवार किया और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का ''दुष्प्रचार'' फैलाते समय अपने पिता माधवराव सिंधिया को नहीं भूलना चाहिए।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह सवाल भी किया कि क्या सिंधिया ने अपने पिता माधवराव सिंधिया से कभी नहीं पूछा कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विरोधी क्यों थे? संचार मंत्री सिंधिया ने आपातकाल की बरसी के मौके पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विजयाराजे सिंधिया की प्रशंसा किए जाने का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया। सिंधिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरी पूज्य आजी अम्मा, श्रद्धेय राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी ने राजपथ को त्याग कर लोकपथ की राह चुनी थी। लोकतंत्र और जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। आपातकाल के दिनों में भी लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए उन्होंने संघर्ष किया।'' उन्होंने दावा किया, ''तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन्हें कई तरह की यातनाएं दी और अत्याचार किए। उनको जेल में भी डाला गया, लेकिन वह न झुकीं, न दबीं और न टूटीं। लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के सम्मान के लिए वह अडिग रहीं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उनके विराट व्यक्तित्व और कृतित्व पर आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।''

खेड़ा ने सिंधिया पर पलटवार करते हुए कहा, ''पूज्य पिताजी का भी तो ज़िक्र करिए। कभी महाराज या भाजपा के दुष्प्रचार को फैलाने के लिए उन्हें भुला ही देंगे? दिवंगत माधवराव सिंधिया जी 1980 की इंदिरा सरकार में सांसद बने।'' उन्होंने कहा, ''आपने कभी अपने पिताजी से नहीं पूछा कि वो संघ के विरोधी क्यों थे? वह आपातकाल के विरोध में संघ का समर्थन क्यों नहीं करते थे?'' ज्योतिरादित्य सिंधिया पहले कांग्रेस में थे, लेकिन 2020 में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। वर्तमान में वह मोदी सरकार में मंत्री हैं। उनके पिता माधवराव सिंधिया 1980 और 1990 के दशक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में शामिल थे। उनकी दादी विजयराजे भाजपा के संस्थापकों में से एक थीं।

आपातकाल के गवाह बने लोग आज भी उसकी याद से कांप उठते हैं: शेखावत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि आपातकाल के दौरान एक स्वतंत्र राष्ट्र को फिर से ''गुलामी की जंजीरों'' में डाल दिया गया था और जिन लोगों ने 21 महीने का वह ''काला दौर'' देखा, वे आज भी उसके बारे में सोचकर कांप उठते हैं।

शेखावत ने 25 जून 1975 को आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरे होने पर त्यागराज स्टेडियम में आयोजित ''संविधान हत्या दिवस'' कार्यक्रम में कहा कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं और संविधान की पवित्रता 1977 में बहाल कर दी गई थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शेखावत ने आपातकाल के दौरान लोगों पर किए गए अत्याचारों का जिक्र करते हुए कहा, ''आपातकाल के दौरान एक स्वतंत्र राष्ट्र को गुलामी की जंजीरों में जकड़ दिया गया था।''

कांग्रेस को स्वीकार करना चाहिए कि आपातकाल की घोषणा एक बहुत बड़ी गलती थी : अकबर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

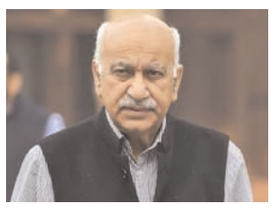

पणजी/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस को यह ''स्वीकार करना चाहिए'' कि आपातकाल एक बहुत बड़ी गलती थी और आगे बढ़ना चाहिए। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 50 साल पहले इसी दिन देश में आपातकाल लगाया था।

यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय राजनीति की सबसे पुरानी पार्टी को अब भी ''अपराधबोध'' के साथ जीना चाहिए अकबर ने कहा, ''मुझे लगता है कि कांग्रेस को यह स्वीकार करना चाहिए कि यह (आपातकाल की घोषणा) एक बहुत बड़ी गलती थी, राष्ट्र पर हमला था और आगे बढ़ना चाहिए।'' वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, ''आखिरकार, भारत में कई राजनीतिक दलों ने खुद को सुधारने के तरीके खोज लिए हैं। कांग्रेस ऐसा क्यों नहीं कर सकती?'' उन्होंने बल दिया कि भारतीय मतदाताओं ने 1977 में इंदिरा गांधी को हराने के बाद 1980 में उन्हें दोबारा सत्ता में लाकर अपनी ''समझदारी'' का परिचय दिया। अकबर कहा, ''जब जनता पार्टी का प्रयोग विफल हो गया और 1980 में जनता को फिर से वोट देने का मौका मिला तो उन्होंने एक स्थिर सरकार चुनी। वे अस्थिरता नहीं चाहते थे। इतिहास अक्सर गलतियों की कहानी के साथ-साथ सफलताओं की भी कहानी है। इसलिए कांग्रेस को इसे स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिए।'' उन्होंने कहा आपातकाल एक ऐसा दौर था जब बेकाबू राजनीतिक शक्ति और तानाशाही ने भारतीय लोकतंत्र के मूल्यों और सिद्धांतों का कत्लेआम किया।

आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे अमानवीय कृत्य था : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर जम्मू में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कहा कि अगर लोग युवा पीढ़ी को सही संदेश देने में सफल हो जाएं तो फिर देश में तानाशाही कभी नहीं आएगी। उन्होंने आपातकाल को ''भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे अमानवीय कृत्य'' करार देते कहा कि आज 'संविधान हत्या दिवस' का आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि का अवसर है।

सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरा मानना है कि नई पीढ़ी को इस काले अध्याय के बारे में पता होना चाहिए, जब लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। अगर हम उन्हें और लोगों को यह संदेश देने में सफल हो जाते हैं, तो मेरा मानना है कि इस देश में फिर कभी कोई तानाशाह नहीं आएगा और लोकतंत्र सुरक्षित रहेगा।'' उन्होंने दावा किया कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले दौर में देश की आत्मा को कुचल दिया गया, नागरिकों की स्वतंत्रता पर हमला किया, संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया और राष्ट्र निर्माण के सपनों को दफन कर दिया गया। आपातकाल के पीड़ितों को सम्मानित करते हुए सिन्हा ने कहा, हमें लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने और अपने देश की वृहद सफलता के लिए पूर्ण समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लेना चाहिए।''

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पुणे मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मंजूरी दे दी, जिसमें 12.75 किलोमीटर लंबे दो एलिवेटेड गलियारे शामिल हैं और इसे 3,626 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के अंतर्गत दो गलियारों - वनाज से चांदनी चौक और रामवाड़ी से वाघोली - को मंजूरी दी गई। ये गलियारे मौजूदा वनाज-रामवाड़ी गलियारे का विस्तार होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ''ये दो एलिवेटेड गलियारे 12.75 किलोमीटर लंबे होंगे और इसमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे। परियोजना चार साल में पूरी होगी।'' उन्होंने कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत 3,626.24 करोड़ रुपए है, जिसे भारत सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बाह्य द्विपक्षीय/बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। वैष्णव ने कहा, ''यह रणनीतिक प्रस्ताव मौजूदा गलियारे का तार्किक विस्तार है और व्यापक गतिशीलता योजना (सीएमपी) के अनुरूप है, जिसमें पुणे में पूर्व-पश्चिम से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चांदनी चौक से वाघोली मेट्रो गलियारे तक एक सतत परियोजना की परिकल्पना की गई है।'' मंत्री ने कहा कि इस विस्तार से प्रमुख आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय क्षेत्रों को बेहतर सेवा मिल सकेगी। उन्होंने कहा, ''नए गलियारे जिला न्यायालय इंटरचेंज स्टेशन को लाइन-1 (निगडी-कात्रज) और लाइन-3 (हिंजेवाड़ी-जिला न्यायालय) के साथ एकीकृत करेंगे, जिससे शहर में निर्बाध यात्रा संभव हो सकेगी।''

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने से मची तबाही, तीन लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बुधवार को बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में तीन लोग बह गए तथा कई घर, एक स्कूल भवन, संपर्क सड़कें और छोटे पुल क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कुल्लू जिले के सैंज में जीवा नाला और रेहला बिहाल तथा गड़सा क्षेत्र के शिलागढ़ में बादल फटने की तीन घटनाएं हुईं।

अधिकारियों ने बताया कि रेहला बिहाल में अपने घरों से सामान निकालने की कोशिश कर रहे तीन लोग बाढ़ में बह गए और लापता हैं।

कुल्लू के अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी) अश्विनी कुमार ने बताया कि जिले के मनाली और बंजार में भी अचानक बाढ़ आ गई। टीम मौके पर मौजूद है और तलाश अभियान जारी है।

सीबीएसई के कक्षा 10वीं की परीक्षा साल में दो बार कराने से तनाव कम होगा : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई द्वारा 10वीं कक्षा की परीक्षाएं साल में दो बार कराने के फैसले की बुधवार को सराहना करते हुए इसे ''बहुत जरूरी कदम'' बताया और कहा कि इससे तनाव कम होगा, अधिक लचीलापन आएगा एवं शिक्षण के आनंदमय माहौल को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने घोषणा की है कि 2026 से कक्षा 10वीं के छात्र एक शैक्षणिक सत्र में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे, लेकिन उनके लिए फरवरी में पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। मई में दूसरे चरण की परीक्षा उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। अगर कोई छात्र दोनों चरण की परीक्षा में शामिल होता है, तो दोनों चरण में से सबसे अच्छा स्कोर बरकरार रखा जाएगा। सीबीएसई ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसा की गई है। प्रधान ने 'एक्स' पर लिखा, यह सराहनीय और बहुत जरूरी कदम है। इससे परीक्षा का तनाव कम होगा, अधिक लचीलापन मिलेगा और सीखने का आनंदमय माहौल बनेगा।

कांग्रेस ने संविधान को कुचला, उसके मूल्यों को दरकिनार किया : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने संविधान को कुचला और इसमें निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया। करनाल में 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों से आजादी पाने के लिए अपनी मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

सैनी ने कहा, ''उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रहें। उन्होंने ऐसे अत्याचारों का सामना किया ताकि आने वाली पीढ़ियां एक स्वतंत्र राष्ट्र में ताजी हवा में सांस ले सकें।''

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा आपातकाल लागू कर दिए जाने से 1975 में स्वतंत्र भारत के बावजूद यहां आजादी का दौर फिर से लौट आया था। सैनी ने आरोप लगाया, ''अपने हितों के लिए उन्होंने संविधान को कुचल दिया, उसे तोड़-मरोड़ दिया और उसके मूल्यों को दरकिनार कर दिया।'' कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि आज भी जो नेता संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं और इसे बचाने की बात करते हैं, वे जम्मू कश्मीर में तत्कालीन राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 की बहाली का समर्थन करते हैं। जम्मू कश्मीर से पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। सैनी ने दावा किया, ''एक तरफ कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती हैं, दूसरी तरफ वे कहते हैं कि अगर वे सत्ता में आए तो वे (जम्मू कश्मीर की) पुरानी स्थिति बहाल करेंगे। यह चौथी पीढ़ी (नेहरू परिवार की) किस संविधान की बात करती है? संविधान तोड़ना उनके डीएनए में है। वे इसकी रक्षा नहीं करते, बल्कि इसे तोड़ते हैं, कुचलते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 साल बाद भी कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी है। मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का जिक्र करते हुए सैनी ने कहा, ''कांग्रेस के 55 साल के शासन के मुकाबले 11 साल को देखिए। लोकतंत्र सिर्फ चुनाव जीतने और सरकार बनाने तक सीमित नहीं है, यह जीवन जीने का तरीका है, एक मूल्य प्रणाली है और इसे समझना महत्वपूर्ण है।''

निर्वाचन आयोग इस साल के अंत तक पांच और राज्यों में मतदाता सूची की गहन समीक्षा शुरू करेगा

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के बाद, निर्वाचन आयोग इस वर्ष के अंत तक उन पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की गहन समीक्षा करेगा जहां 2026 में चुनाव होने हैं। अंततः, निर्वाचन आयोग देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करेगा, ताकि मतदाता सूचियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन किया जा सके। गहन समीक्षा के तहत, चुनाव अधिकारी त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है और इन राज्यों में मतदाता सूचियों की गहन समीक्षा वर्ष के अंत तक शुरू हो जाएगी। हालांकि, चूंकि बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए निर्वाचन आयोग ने वहां तत्काल विशेष गहन पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि आयोग ने भाजपा की मदद के लिए मतदाता आंकड़ों में हेराफेरी की है। इसके बाद आयोग ने गहन पुनरीक्षण में अतिरिक्त कदम उठाए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अवैध प्रवासियों का नाम मतदाता सूची में दर्ज न हो। मतदाता बनने या राज्य के बाहर से आने वाले आवेदकों की एक श्रेणी के लिए एक अतिरिक्त 'घोषणा फॉर्म' पेश किया गया है।

रिलायंस का गहन-प्रौद्योगिकी, उन्नत विनिर्माण कंपनी बनने का लक्ष्य : मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने आने वाले समय में गहन-प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण कंपनी बनने का लक्ष्य रखते हुए कहा है कि उनका समूह हर तीन से पांच साल में कारोबार में पुनर्निवेश करता है।

प्रबंधन परामर्शदाता 'मैकिन्से एंड कंपनी' की लीडिंग एशिया सीरीज को दिए एक साक्षात्कार में अंबानी ने कंपनी के भविष्य के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा किया। इस दौरान अंबानी ने कहा कि बाध्य होने से पहले कारोबार में नया निवेश करना, भविष्य पर बड़ा दांव लगाना और दीर्घकालिक प्रभाव पर टिके रहना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है। रिलायंस में पुनर्निवेश का मतलब दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी का निर्माण करना, पूरे भारत में 4जी संपर्क शुरू करना और जियो के जरिये भारत को डिजिटल बनाने के लिए 25 अरब डॉलर का निवेश करना है। यह समूह अब सौर, बैटरी, हाइड्रोजन और जैव-ऊर्जा को शामिल करते हुए हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के लिए दुनिया की सबसे बड़ी विनिर्माण पारिस्थितिकी में से एक का निर्माण कर रहा है।

अंबानी ने कहा कि प्रौद्योगिकी परिदृश्य तेजी से बदल रहा है और अगली पीढ़ी के लिए मुख्य चुनौती इस नई व्यवस्था में सफल होना होगा। उन्होंने कहा, ''भविष्य के व्यवसायों को भविष्य की प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल में कुशल होना होगा। इसलिए, हमारा लक्ष्य हमेशा यही रहा है कि कारोबार का हमारा नजरिया और उद्देश्य प्रभाव-आधारित होना चाहिए।'' बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी के मुखिया ने कहा, ''यह रिलायंस के डीएनए में है। सही प्रतिभा होने और सही लक्ष्य होने पर हम यह पता लगा लेंगे कि हमें कहां पहुंचना है, हम क्या करना चाहते हैं।'' उन्होंने रिलायंस समूह के संस्थापक और अपने दिवंगत पिता धीरूभाई अंबानी को याद करते हुए कहा कि भारत को एक समृद्ध राष्ट्र बनाने औऱ सभी देशवासियों को एक बेहतर जीवन में योगदान देना शुरू से ही कंपनी का मकसद था और यह आज भी कायम है। अंबानी ने कहा, ''हमारी व्यावसायिक रणनीति में बदलाव होता रहता है। आज भी, हम अपने व्यवसाय को हर तीन, चार या पांच साल में नया रूप देते हैं।'' अंबानी ने कहा कि गहन प्रौद्योगिकी (डीप-टेक) के लिए महत्वाकांक्षा दूरसंचार क्षेत्र में जियो की 5जी सेवाओं की शुरुआत से पैदा हुई थी क्योंकि सेवा से जुड़े हरेक पहलू का निर्माण खुद ही करना था।

ईडी ने बैंक ऋण 'धोखाधड़ी' मामले में दिल्ली-एनसीआर, पंजाब में छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में पंजीकृत दिवालिया कंपनी के पूर्व प्रवर्तकों के खिलाफ 989 करोड़ रुपए के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पंजाब में कई जगहों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि ऑटोमोबाइल और टेलीकॉम क्षेत्र के लिए बिजली के तार और केबल का डिजाइन एवं निर्माण करने वाली दिल्ली स्थित शिल्पी केबल्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसीटीएल) कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया हैं कंपनी के खिलाफ 2017 में दिवालिया की कार्रवाई शुरू की गई थी। सूत्रों ने कहा कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दिल्ली-एनसीआर में नौ परिसरों और जालंधर में एक परिसर पर छापेमारी की गई। ईडी ने इस मामले में पहली बार दिसंबर, 2024 में छापेमारी की थी। उन्होंने कहा कि धन शोधन का मामला 2021 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी से सामने आया है, जिसमें कंपनी के प्रवर्तकों और अन्य सहयोगियों द्वारा आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के एक संघ से 998 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

सूत्रों ने बताया, ''सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उक्त इकाई ने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए बैंकों से ऋण लिया और जिन उद्देश्यों के लिए ऋण लिया गया था उनके बजाय बैंक के धन का किसी और उद्देश्य में इस्तेमाल किया गया।''

ईडी ने पिछले साल जारी एक बयान में कहा था, ''इसके बाद प्रवर्तकों ने ऋण चुकाने में चूक की, जिससे बैंकों को 989 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।''

आपातकाल के दंश को झेल चुकी द्रमुक उन्हीं के साथ गठबंधन में!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत में कांग्रेस पार्टी द्वारा लगाया गया आपातकाल लोकतंत्र पर एक बेशर्म हमला था, जो देश के इतिहास में एक काला अध्याय बन गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में सत्तावादी शासन ने असहमति को बेरहमी से दबाया, राष्ट्रीय और राज्य के नेताओं को कैद किया और घोर संवैधानिक उल्लंघन किए। द्रमुक के मुख्यमंत्री स्टालिन का कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन राजनीतिक अवसरवाद का स्पष्ट प्रदर्शन है। आपातकाल के दौरान मानवाधिकारों के हनन और जानमाल के नुकसान के कांग्रेस पार्टी के काले इतिहास को देखते हुए, द्रमुक का उनके साथ सहयोग करने का फैसला लोकतंत्र के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल उठाता है।

उन्होंने कहा कि द्रमुक की राजनीति भाई-भतीजावाद और तानाशाही से भरी हुई है, जिसमें प्रमुख पदों पर पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि के परिवार के सदस्य काबिज हैं। उदयनिधि स्टालिन की उपमुख्यमंत्री के रूप में नियुक्ति और दयानिधि मारन और कनिमोझी का सांसद के रूप में मौजूद होना पार्टी के वंशवादी शासन का उदाहरण है। परिवार की राजनीति का यह खुला प्रदर्शन द्रमुक के शासन का पर्याय बन गया है।

प्रसाद ने विज्ञप्ति में बताया कि यह विडंबना है कि आपातकाल के दौरान पीड़ित द्रमुक ने अपनी

पीड़ा के लिए जिम्मेदार कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है। ऐसा लगता है कि द्रमुक ने सत्ता की चाह में मेयर सिट्टी बाबू की जेल में मौत सहित अपने अतीत को भुला दिया है। तमिलनाडु के लोगों को पूछना चाहिए कि डीएमके इस गठबंधन और आपातकाल के दौरान किए गए अत्याचारों पर अपनी चुप्पी को कैसे उचित ठहरा सकता है। आपातकाल के दौरान कांग्रेस पार्टी की कार्रवाइयां सत्ता की लालसा और पद पर बने रहने की इच्छा से प्रेरित थीं। इस काले इतिहास के बावजूद, कांग्रेस पार्टी अब लोकतंत्र के बारे में दूसरों को उपदेश दे रही है।

उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य है कि तमिलनाडु में द्रमुक सरकार को बर्खास्त करने और उसके नेताओं के साथ क्रूर व्यवहार करने में कांग्रेस की भूमिका के बावजूद द्रमुक का कांग्रेस के साथ सहयोग करने की इच्छा चौंकाने वाली है। कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन को देखते हुए लोकतंत्र और राज्य के अधिकारों के बारे में बोलने में द्रमुक की विश्वसनीयता संदिग्ध है।

आपातकाल को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का भाजपा सरकार का निर्णय भारत के इतिहास के इस काले दौर के पीड़ितों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। यह दिन हमारे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के महत्व की याद दिलाता है। प्रेस का मुंह बंद कर दिया गया और न्यायपालिका से समझौता किया गया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक स्तर पर मानवाधिकारों का हनन हुआ और लोगों की जान गई। हम कांग्रेस पार्टी द्वारा राष्ट्र के विश्वास के साथ विश्वासघात और विपक्ष के निर्मम दमन की कड़ी निंदा करते हैं। उस समय जनसंघ और भाजपा के नेताओं ने आपातकाल के अत्याचारों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और नानाजी देशमुख जैसे नेताओं को लोकतंत्र और संविधान के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के कारण जेल में डाला गया और उनके साथ क्रूरता की गई।

आइए हम लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के सिद्धांतों को कायम रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपातकाल के अत्याचारों को भुलाया न जाए और आने वाली पीढ़ियां हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों और मूल्यों की रक्षा के महत्व से अवगत हों।

आपातकाल

तमिलसाई सुंदरराजन ने द्रमुक पर कांग्रेस के साथ गठजोड़ के लिए निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा की नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने बुधवार को सवाल किया कि द्रमुक उस कांग्रेस के साथ क्यों है जो कुख्यात आपातकाल लगाने के लिए जिम्मेदार है। सुंदरराजन ने आपातकाल लागू होने की की 50वीं बरसी पर 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए आपातकाल के दिनों को कष्टदायक बताया।

उन्होंने सवाल किया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) उसी पार्टी के साथ मिलकर राजनीति कैसे करती है जिसने आपातकाल लागू किया था, जबकि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अक्सर कहते हैं कि उन्होंने भी आपातकाल के दौरान उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया था।

सुंदरराजन ने परोक्ष तौर पर कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन के लिए द्रमुक पर निशाना साधा। वर्ष 1976 में एम. करुणानिधि के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार को बर्खास्त कर दिया गया था और उस समय द्रमुक के युवा नेता स्टालिन को जेल में डाल दिया गया था।

सुंदरराजन ने कहा कि उनके पिता के अनंतन को आपातकाल के दौरान आंध्र प्रदेश की जेल में बंद कर दिया गया था। तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल सुंदरराजन (64) ने कहा, वे भयानक दिन थे।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को आपातकाल के कारण देश के सामने आई परेशानियों के बारे में पता होना चाहिए। आपातकाल 25 जून, 1975 को घोषित किया गया था और 21 मार्च, 1977 को इसे हटा लिया गया था।

अघोषित आपातकाल के दौर से गुजर रहा है भारत : केरल के मुख्यमंत्री विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को दावा किया कि देश अघोषित आपातकाल के दौर से गुजर रहा है, क्योंकि संघ परिवार की ''सरकार'' संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है। विजयन ने 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार द्वारा घोषित आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे 'काला अध्याय' करार देते हुए सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में यह टिप्पणी की। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि आपातकाल के इस काले अध्याय को आधी सदी हो चुकी है। विजयन ने कहा कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा कोई अचानक या अप्रत्याशित घटना नहीं थी, बल्कि यह 'भारत में वर्षों से चली आ रही सत्तावादी प्रवृत्तियों और नागरिक स्वतंत्रता के हनन की क्रूर परिणति (पराकाष्ठा) थी।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल की 50वीं बरसी देश में मौजूदा राजनीतिक हालात की 'भयावहता' की याद दिलाती है। विजयन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''देश इस समय अघोषित आपातकाल के दौर से गुजर रहा है। अगर इंदिरा गांधी ने संविधान का दुरुपयोग किया था तो आज संघ परिवार की सरकार' उसे (संविधान को) खत्म करने की कोशिश कर रही है।'' उन्होंने माकपा के मुखपत्र 'देशाभिमानी' में आपातकाल पर प्रकाशित एक लेख का लिंक भी साझा किया। विजयन ने दावा किया कि आपातकाल केवल उन लोगों के लिए इतिहास का सबक नहीं है, जो इसे झेल चुके हैं, बल्कि यह 'राजकीय आतंक की ज्वलंत स्मृति' बनी हुई है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आपातकाल के समय की यादों को भविष्य के संघर्षों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए और अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। आपातकाल के दौरान माकपा के वरिष्ठ नेता विजयन को केरल में छिपकर राजनीतिक गतिविधियां आयोजित करने के आरोप में 18 महीने तक जेल में रखा गया था। हिरासत में रहने के दौरान उन्हें कथित तौर पर पुलिस यातना का भी सामना करना पड़ा था।

एनजीटी ने चेन्नई झील प्रदूषण पर अधिकारियों को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने चेन्नई की एक झील में प्रदूषण के मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) के क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य से जवाब मांगा है। एनजीटी ने चेन्नई में वेलाचेरी 100 फुट रोड पर पेरुमल कोइल स्ट्रीट के पास स्थित एक झील से संबंधित मुद्दे पर एक अखबार की खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। खबर में बताया गया था कि जलाशय मच्छरों के प्रजनन स्थल में बदल गया है।

न्यायिक सदस्य अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ ने पांच जून को कहा, इस लेख में उल्लेख है कि लगभग 50 घरों और आसपास के इलाके के लोग दुर्गंध के बीच रह रहे हैं और निवासी इस स्थिति के लिए 'चेन्नई महानगर जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड' को दोषी ठहरा रहे हैं। पीठ ने कहा कि खबर में निवासियों के हवाले से दावा किया गया है कि जलाशय के अंदर बिछाई गई सीवेज पाइपलाइनों के बंद होने के कारण बदबू आ रही है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यह घटना पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, नगर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम और जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत आती है। न्यायाधिकरण ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय, तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, चेन्नई महानगर जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड तथा ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के आयुक्त को पक्षकार या प्रतिवादी बनाया है। न्यायाधिकरण ने कहा, प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया जाए। न्यायाधिकरण ने मामले को कार्यवाही के लिए चेन्नई स्थित दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ के समक्ष सात अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया है।

केरल में पीएफआई ने 972 लोगों की सूची बनाई थी जो उसके निशाने पर थे : एनआईए ने अदालत में कहा

कोच्चि। प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने करीब 972 लोगों को निशाना बनाने के लिए एक सूची बनाई थी जिसमें केरल के एक पूर्व जिला न्यायाधीश का नाम भी है।

यह खुलासा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा यहां एक अदालत में जमा किए गए दस्तावेजों से हुआ है। एनआईए के इन दस्तावेजों के अनुसार पीएफआई ने अपनी 'गुप्त रिपोर्टर्स विंग' के माध्यम से अन्य समुदायों के लोगों के पद, नाम, आयु, तस्वीर समेत व्यक्तिगत जानकारी जमा की।

एनआईए ने दावा किया कि पीएफआई की तीन इकाई हैं जिनमें रिपोर्टर्स विंग', फिजिकल एंड आर्म्स ट्रेनिंग विंग/पीई' और सर्विस विंग/हिट टीम्स' हैं। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि पीएफआई के अर्द्ध-खुफिया विभाग के रूप में काम करने वाली 'रिपोर्टर्स विंग' ने समाज के प्रमुख व्यक्तियों के अलावा अन्य समुदायों, विशेषकर हिंदू समुदाय के नेताओं की निजी और व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की, जिसमें उनकी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियां भी शामिल थीं।

एजेंसी ने अदालत से कहा, डेटा को पीएफआई के जिला स्तर पर संकलित किया जाता है और उनके राज्य पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है। विवरण नियमित रूप से अद्यतन किए जाते हैं और आतंकवादी गिरोह द्वारा आवश्यकतानुसार व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। विशेष एनआईए अदालत के आदेश में इन दस्तावेजों की सामग्री का उल्लेख किया गया जिसने 2022 के एस के श्रीनिवासन हत्या मामले में कुछ आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी श्रीनिवासन की 16 अप्रैल, 2022 को कथित रूप से पीएफआई के कार्यकर्ताओं ने उनकी दुकान पर हत्या कर दी थी। एनआईए ने जमानत अर्जी का विरोध करते हुए अदालत से कहा कि मामले में अनेक आरोपियों से जब्त दस्तावेज करीब 972 लोगों की सूची की ओर इशारा करते हैं जिनमें एक अन्य समुदाय' के केरल के पूर्व जिला न्यायाधीश हैं और ये लोग प्रतिबंधित संगठन के निशाने पर थे। केंद्र सरकार ने सितंबर 2022 में पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया था।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने मोदी से ट्रेन का किराया न बढ़ाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ट्रेन के किराये में बढ़ोतरी नहीं करने का आग्रह किया। चेन्नई से ट्रेन पर सवार होकर काटपडी पहुंचे स्टालिन ने कहा कि जुलाई से यात्री किराये में बढ़ोतरी की जाएगी और साधारण डिब्बों की संख्या में कमी ने लोगों की खुशियां छीन ली हैं'।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे स्टेशन पहुंचने पर लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्होंने लोगों से बातचीत भी की। स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से अपील करते हुए कहा कि वातानुकूलित कोच बढ़ाने के लिए ट्रेन के साधारण डिब्बों को कम करने की जरूरत नहीं है और रेल किराये में भी बढ़ोतरी की जरूरत नहीं है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यम वर्गीय परिवार पहले से ही महंगाई और हाल ही में रसोई गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से जूझ रहे हैं। अब ट्रेन का किराया बढ़ाकर उनकी चिंताओं को और नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'भारतीय रेल सिर्फ एक सेवा नहीं है - यह एक परिवार है।'

वायनाड के चूरलमाला में भारी बारिश से बाढ़ की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। वायनाड के मुंडक्कई-चूरलमाला क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से हो रही भारी बारिश के कारण फिर से बाढ़ और भूस्खलन की आशंका पैदा हो गई है, जबकि ठीक एक साल पहले यहां भीषण भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। जिला अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि चूरलमाला नदी उफान पर है और कीचड़ युक्त पानी तेजी से बह रहा है तथा बेली ब्रिज के पास नदी के तटीय क्षेत्रों में कटाव हो रहा है। नदी के दोनों किनारों पर मरम्मत कार्य के लिए जमा की गई मिट्टी बह गई है, जिससे अट्टामाला रोड और आस-पास के इलाकों में पानी भर गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्हें लगता है कि पर्वतीय क्षेत्रों में खास तौर पर पुंचिरीमट्टम के पास के जंगली इलाकों में हालिया भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। हालांकि अधिकारियों ने कहा कि अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने कहा, जंगल के अंदर पुंचिरीमट्टम के पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन की नयी घटना की कोई पुष्टि नहीं हुई है। डीडीएमए ने कहा, पूर्व की भूस्खलन की घटनाओं के बाद निकला मलबा बारिश के साथ नीचे आ रहा है। यह संभवतः कटाव वाला सारा मलबा बहने तक यह कुछ समय तक जारी रहेगा।

जुलाई 2024 की आपदा को याद करते हुए निवासी चिंतित हैं, जिसमें मकान ढह गए थे, कई लोग घायल हो गए थे और सैकड़ों लोग बेघर हो गए थे। जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि पर्वतीय क्षेत्रों में व्यापक बारिश के कारण बाढ़ आई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि तत्काल कोई खतरा नहीं है और वे स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। नीचे की ओर मनंतावडी और पनामारम में कबानी नदी में जल स्तर बढ़ गया है। बाणासुर बांध लगभग पूरा भर गया है और आस-पास के क्षेत्रों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वायनाड सहित 11 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है, जिसमें अगले तीन घंटों में मध्यम बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। तिरुवनंतपुरम, कोल्लम और अलप्पुझा में भी हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

शिवगिरि मठ के प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी की फिर प्रशंसा की, उनकी तुलना महात्मा गांधी से की

तिरुवनंतपुरम। शिवगिरी मठ के प्रमुख स्वामी सच्चिदानंद ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनमें महात्मा गांधी की तरह ईमानदारी, आदर्शों की शुद्धता, आध्यात्मिक गहराई और अनुशासन के गुण दिखाई देते हैं। स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि उन्हें लगता है कि मोदी एक आस्थावान, आदर्शवादी और सदाचारी व्यक्ति हैं और इतिहास में ऐसा कोई वाकया नहीं है जिसमें उन्होंने कभी किसी धर्म को अस्वीकारा हो या उसकी निंदा की हो।

सच्चिदानंद केरल के प्रसिद्ध शिवगिरी मठ के प्रमुख हैं, जिसकी स्थापना समाज सुधारक श्री नारायण गुरु ने की थी जो मनुष्यों के लिए एक जाति, एक धर्म और 'एक ईश्वर' के पैरोकार थे। प्रधानमंत्री को लेकर स्वामी सच्चिदानंद की यह टिप्पणी उनके इस बयान के एक दिन बाद आई है कि मोदी एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने श्री नारायण गुरु को भारत की आत्मा बताया है।

नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच बातचीत के शताब्दी समारोह के तहत मंगलवार को नयी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में सच्चिदानंद ने मोदी को भारत का 'एक महान पुत्र' बताया था। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में उन्होंने कहा कि शिवगिरी और श्री नारायण गुरु के प्रति उनकी भक्ति स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बिना किसी की सिफारिश के पूरी तरह अपनी मर्जी से शताब्दी समारोह में शामिल हुए। स्वामी सच्चिदानंद ने कहा, जब शिवगिरी मठ ने उनके कार्यालय को ईमेल भेजा, तो प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से मठ से संपर्क किया और कार्यक्रम में भाग लेने की अपनी इच्छा जताई।

उन्होंने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत करिश्मे को महसूस करने के बाद उनके बारे में अपनी राय बनाई। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, कई लोगों ने यह धारणा बनाने की कोशिश की कि देश में कुछ नकारात्मक होगा, लेकिन, पिछले 10-11 वर्षों में प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि मोदी ने देश में किसी भी धर्म को अस्वीकारा हो या उसकी निंदा की हो।

शिवगिरी मठ के प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा समान रुख अपनाया है और अन्य धर्मों को पूरी तरह से स्वीकार किया है। स्वामी ने कहा, हम मोदी में महात्मा गांधी की ईमानदारी, आदर्शों की पवित्रता, आध्यात्मिक गहराई और अनुशासन देख सकते हैं। एक सवाल का जवाब देते हुए स्वामी सच्चिदानंद ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी कई बार शिवगिरी मठ के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है, लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हुए।

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के आईपीओ को बोली के पहले दिन 37 प्रतिशत अभिदान

चेन्नई/नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक की अनुषंगी कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बुधवार को बोली के पहले दिन 37 प्रतिशत अभिदान मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, आरंभिक शेयर बिक्री में 13,04,42,855 शेयरों के मुकाबले 4,85,98,380 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं।गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 76 प्रतिशत अभिदान मिला, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के कोटा के लिए 30 प्रतिशत अभिदान मिला।

पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के खंड को एक प्रतिशत अभिदान प्राप्त हुआ। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने एंकर निवेशकों से 3,369 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी का 12,500 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 जून को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 700-740 रुपये प्रति शेयर है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर कंपनी का मूल्य लगभग 61,400 करोड़ रुपये है। आईपीओ 2,500 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक द्वारा 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। फिलहाल एचडीएफसी बैंक के पास एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज की 94.36 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी के शेयर दो जुलाई को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

टैंकर में आग लगी, चालक जिंदा जला

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर के पास बुधवार सुबह रसायन से भरे एक टैंकर में आग लग गई जिससे चालक जिंदा जल गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार हादसा जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर मोखमपुरा के पास हुआ। रसायन से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर राजमार्ग पर पलट गया और उसमें आग लग गई। पुलिस ने बताया कि चालक राजेंद्र केबिन के अंदर फंस गया और जिंदा जल गया। वहीं टैंकर के पलटकर आग लगने के बाद राजमार्ग से गुजर रहे अन्य वाहन रुक गए और उनमें सवार लोग उतरकर पास के खेतों में चले गए। हालांकि किसी के घायल होने का समाचार नहीं है। राजमार्ग पर काफी देर जाम लगा रहा और पुलिस व दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

रणथम्भौर में गणेश मंदिर मार्ग पर बाघ के आने से श्रद्धालुओं में दहशत

भरतपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर में बुधवार को त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर अचानक बाघ आने से श्रद्धालुओं में दहशत फैल गयी। जंगल से निकल कर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर आया बाघ करीब 15 मिनट वहां टहलता रहा। इससे श्रद्धालु एवं पर्यटक बुरी तरह से सहम गए। इस दौरान यहां चौपाहिया वाहनों की लंबी कतार लग गई। चहलकदमी के बाद बाघ ने जंगल की ओर रुख किया जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। वन विभाग की ओर से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है कि यह कौनसा बाघ था। रणथम्भौर में पिछले करीब ढाई महीने में बाघ के हमलों में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें सात वर्षीय बालक कार्तिक सुमन को बाघ ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर ही हमला करके मार दिया था। जबकि रेंजर देवेंद्र सिंह और रणथम्भौर स्थित जैन मंदिर के चौकीदार राधेश्याम माली की भी बाघ के हमले में मौत हुई थी। इसके लिये जिम्मेदार बाघिन टी-84 के तीनों शावकों को रणथंभौर से बाहर भेज दिया। इससे श्रद्धालुओं के बीच राहत की सांस के साथ यह अनुमान लगाया जा रहा था कि अब त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर बाघों का खतरा टल गया है, लेकिन सुबह फिर से यहां बाघ की मौजूदगी ने श्रद्धालुओं की चिंता में इजाफा कर दिया है।

युवक ने प्रेमिका की हत्या की

उदयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के उदयपुर में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की कथित तौर पर हत्या कर दी क्योंकि लड़की की सगाई किसी और के साथ हो गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बाद में अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि यह घटना हिरणमगरी थाना क्षेत्र के परशुराम इलाके के एक होटल में हुई। पुलिस ने बताया कि उदयपुर के सेक्टर-3 का रहने वाले आरोपी विजय भोई के कथित तौर पर निकिता के साथ संबंध थे। थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि दोनों की 'इंस्टाग्राम' के जरिए दोस्ती हुई थी और बाद में दोनों में प्यार हो गया। उन्होंने बताया कि हालांकि, जब निकिता के परिजनों को इस रिश्ते के बारे में पता चला तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताई और दूसरे व्यक्ति से उसकी सगाई तय कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद लड़की ने भोई से बातचीत करना बंद कर दिया। योगी ने बताया कि हाल ही में निकिता अपनी पढ़ाई के लिए उदयपुर लौटी। उन्होंने बताया कि भोई ने उससे फिर संपर्क किया और आखिरी बार मिलने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि सोमवार को दोनों एक होटल में मिले, जहां उसकी सगाई को लेकर बहस हुई। उन्होंने बताया कि कहासुनी के दौरान भोई ने उसके सिर को कथित तौर पर दीवार पर दे मारा, जिससे लड़की के सिर में गंभीर चोट आई और वह अचेत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद भोई ने कथित तौर पर अपनी कलाई ब्लेड से काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की, हालांकि वह तुरंत होटल से निकल गया और अस्पताल में भर्ती हो गया। उन्होंने बताया कि यह मामला मंगलवार सुबह तब प्रकाश में आया जब होटल के कर्मचारी सफाई के लिए कमरे में दाखिल हुए और लड़की को मृत पाया। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और होटल में 'चेक-इन' के समय दिये गए 'पहचानपत्र' के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की और उसे पकड़ लिया।

राजस्थान में अनेक जगह भारी बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के विशेषकर पूर्वी भागों में मानसून की तेज बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में सबसे अधिक 190 मिलीमीटर बारिश बांसवाड़ा के सल्लोपट में हुई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। विभाग के अनुसार, बुधवार को सुबह तक, बीते चौबीस घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर बादलों की गरज के साथ बारिश हुई। कहीं कहीं भारी से अतिभारी बारिश दर्ज की गई। पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी रहा। इस दौरान सर्वाधिक 190 मिमी. बारिश बांसवाड़ा के सल्लोपट में दर्ज की गई। राज्य के कई जिलों में अब भी गर्मी का सितम जारी है और मंगलवार दिन में सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह जारी रहने व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की पूरी संभावना है। इसके अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दिनों में बादलों की गरज के साथ बारिश होगी। वहीं बीकानेर, जोधपुर संभाग में 26 से 29 जून के दौरान बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।

आपातकाल था लोकतंत्र का सबसे काला दिन : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आपातकाल को लोकतंत्र का सबसे काला दिन बताते हुए कहा है कि कांग्रेस आज भले ही कुछ भी आरोप लगाए लेकिन देश की आने वाली पीढ़ियों को इस दिन की सच्चाई जाननी चाहिए, जब लोकतंत्र को सत्ता की भूख में कुचल दिया गया।

दीया कुमारी ने बुधवार को सीकर जाते हुए खंडेला विधायक सुभाष मील, भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने रींगस में उनका स्वागत करने के दौरान मीडिया से बातचीत यह बात कही। उन्होंने 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल की 50वीं बरसी पर कहा कि यह भारत के लोकतंत्र का सबसे काला दिन था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए संविधान का गला घोंटा। प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई, समाजसेवी संस्थाओं को कुचला गया और सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाने वाले हज़ारों लोगों को जेल में डाल दिया गया।

मानसून की तैयारियों में जुटा स्वायत्त शासन विभाग, शासन सचिव ने तैयारियों को लेकर किया मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग में हाल ही में नियुक्त शासन सचिव रवि जैन ने कार्यभार संभालने के दूसरे ही दिन सक्रियता दिखाते हुए बुधवार को नगर निकायों और स्वायत्त शासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्त्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मानसून से पूर्व की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। जैन ने निर्देश दिए कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नालों की सफाई, पंपिंग मशीनों की उपलब्धता और आपदा नियंत्रण के लिए संसाधनों की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात के मौसम में आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जमीनी स्तर पर तैयारियों को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने खुले खड्डों को तत्काल भरने एवं प्रतिदिन कार्य प्रगति की जानकारी उनसे साझा करने के निर्देश भी दिए । रवि जैन ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार आमजन के जीवन को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध है।

डीएलबी निदेशक एवं विशिष्ट सचिव इंद्रजीत सिंह ने कहा की जल भराव वाले क्षेत्रों में पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम एवं साइन बोर्ड लगाए जाए जिससे की कोई दुर्घटना न हो।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व ही डीएलबी निदेशक इन्द्रजीत सिंह ने प्रत्येक स्थानीय निकाय के स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और बारिश के मद्देनजर जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर, पहले से तैयारी रखने के आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए थे ।

बैठक के पश्चात शासन सचिव रवि जैन, निदेशक एवं विशिष्ट सचिव इन्द्रजीत सिंह, नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त गौरव सैनी, नगर निगम हेरिटेज की आयुक्त डॉ निधि पटेल ने संबंधित उच्च अधिकारियों के साथ जवाहर नगर कच्ची बस्ती, जयपुर एयरपोर्ट और अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने नालों की स्थिति, जल निकासी की व्यवस्था तथा आपातकालीन तैयारियों का जायजा लिया।

गौ माता समस्त प्राणियों की जननी एवं कल्याण की स्रोत हैं

जयपुर/दक्षिण भारत । जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को भीलवाड़ा जिले के नौगांव स्थित माधव गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र एवं गौशाला का निरीक्षण किया। मंत्री रावत ने परिसर में स्थित सांवलिया सेठ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। निरीक्षण के दौरान संस्थान के अध्यक्ष एवं गौ सेवा क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश द्वारा जल संसाधन मंत्री को संस्थान की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई।

मंत्री रावत ने संस्थान में गौ संरक्षण, पंचगव्य चिकित्सा अनुसंधान, जैविक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं वैदिक परंपराओं का प्रभावी संवाहक है। मंत्री रावत ने कहा कि केंद्र में गौमूत्र, गोबर, दूध, दही एवं घी के उपयोग से आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण कर विभिन्न रोगों के उपचार में सफलता प्राप्त की जा रही है। किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में जैविक खाद, कीटनाशकों एवं गौ-अमृत के प्रयोग हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य गौपालकों एवं कृषकों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जा सके।

मंत्री रावत ने कहा कि यह केंद्र केवल एक गौशाला नहीं, बल्कि ग्रामीण नवाचार, पारंपरिक चिकित्सा एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक प्रेरणादायक मॉडल है। राज्य सरकार ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

भजनलाल शर्मा और भगवंत मान के बीच फिरोजपुर फीडर परियोजना को लेकर संवाद, किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच बुधवार को फोन पर फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण परियोजना की प्रगति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। इसे देखते हुए गंगनहर क्षेत्र के किसानों के लिए महत्वपूर्ण फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की संभावना बनी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र विशेषकर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ की जीवनरेखा गंगनहर प्रणाली को सशक्त किए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। किसानों के लिए बहुप्रतीक्षित फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण परियोजना को केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली की 24 अप्रेल, 2025 को 158वीं सलाहकार समिति की बैठक में स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना की कुल लागत 647.62 करोड़ रुपये है। इसमें पंजाब राज्य की हिस्सेदारी 379.12 करोड़ रुपये (58.54 प्रतिशत) और राजस्थान की हिस्सेदारी 268.50 करोड़ रुपये (41.46 प्रतिशत) रखी गई है।

शर्मा ने कहा कि फीडर पुनर्निर्माण के लिए राजस्थान की हिस्सा राशि 268.50 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रावधान की सैद्धांतिक सहमति पंजाब सरकार (जल संसाधन विभाग) से प्राप्त हो चुकी है, जिसका परीक्षण कराते हुए वित्त विभाग, राजस्थान की सहमति के बाद पंजाब सरकार को सूचना भेजी जाएगी। इसके बाद पंजाब सरकार द्वारा वित्त पोषण के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

केन्द्र सरकार से वित्त पोषण की सहमति के बाद पंजाब सरकार से समन्वय स्थापित कर निविदा सहित अन्य कार्यवाहियां की जाएंगी। राज्य सरकार इसी वर्ष में पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराकर आगामी दो वर्ष में पूर्ण कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पुनर्निर्माण से फिरोजपुर फीडर की वर्तमान क्षमता 11 हजार 192 क्यूसेक से बढ़कर 13 हजार 842 क्यूसेक हो जाएगी। इससे मानसून में पाकिस्तान की तरफ जाने वाले अधिक्य जल को संरक्षित कर गंगनहर क्षेत्र में ही उपयोग में लिया जा सकेगा।

भाजपा वालों के पास कहने को कुछ नहीं, इसलिए करते हैं आपातकाल की बात : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आपातकाल को लेकर नई पीढ़ी को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इनके पास कहने को कुछ नहीं हैं, इसलिए ये लोग आपातकाल की बात करते है जबकि इंदिरा गांधी ने विशेष परिस्थिति में आपातकाल लगाया था और इसके परिणाम खिलाफ आने पर इसे ठीक भी नहीं माना गया था और यह स्वीकार भी किया गया, इसके बाद कहने को कुछ नहीं बचता है। गहलोत ने बुधवार को यहां मीडिया द्वारा आपातकाल को लेकर पूछे गए प्रश्न पर यह बात कही। उन्होंने कहा आपातकाल में जो कुछ होना था, मान लो विशेष परिस्थिति में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और परिणाम हमारे खिलाफ आ गए इंदिराजी खुद भी चुनाव हार गईं और कांग्रेस चुनाव हार गई उसके बाद में इंदिरा जी ने और सब नेताओं ने कहा भई ये हमारा कदम ठीक नहीं था।

जब एक बार बात हमनें खुद ने स्वीकार कर ली, इमरजेंसी लगाई अच्छे उद्देश्य से पर उसके अंदर कई ऐसी बातें हो गई होगी जो जनता हमारे खिलाफ हो गई और हम चुनाव हार गए हैं और उसका एहसास भी किया गया, अब इसके बाद में कहने को कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा आपातकाल के समय जो जेल में गए थे उनको पेंशन दे रहे हो, उनका सम्मान कर रहे हो, उनका दिवस मना रहे हो ये तमाम बातें वही कर सकते हैं। जिनके पास कहने को कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इनकी (भाजपा) उपलब्धियों में कुछ हैं नहीं, शासन में कुछ करके दिखाया नहीं, जो वादे किए थे दो करोड़ लोगों को रोजगार देंगे, पंद्रह लाख रुपए खाते में डाल देंगे, आमदनी दोगुनी करेंगे किसानों की, क्या क्या नहीं बोले थे, अगर मोदीजी की स्पीच को सुन लें हम लोग तो हमें कहने की आवश्यकता ही नहीं है।

ब्लैकमनी ले के आएंगे स्विस बैंकों से , कितनी बड़ी बड़ी बातें की थीं और असत्य बोल के कि टू जी स्पेक्ट्रम घोटाला हो गया कोल गेट का एक लाख चालीस हजार करोड़ का घोटाला हो चुका है, ग्यारह साल में वो घोटाले कहां गए जो आरोप लगाए थे कांग्रेस पर। तो जिस प्रकार से इन्होंने जो कुछ भी लोगों को गुमराह करके, बाद में हिंदू मुसलमान करके, आप चुनाव जीत जाते हो, देश को अगर एक रखना है अखंड रखना है तो आपको सभी जातियां सभी धर्म को साथ लेकर चलना ही पड़ेगा। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस की महात्मा गांधी के जमाने से सभी को साथ लेकर चलने की नीति रही है जबकि ये लोग अब नई पीढ़ी को गुमराह कर रहे हैं, वो हमारे सब के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। सच्चाई क्या है आज सोशल मीडिया है आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अलग आ गई है।

उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि एआई का उपयोग सब लोगों को करना चाहिए। एआई नई क्रांति हो रही है दुनिया के अंदर जिसमें तमाम सूचना पचास साल पहले की मिल जाएगी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के पास कई बातें कहने को हैं लेकिन इनके पास कहने को कुछ नहीं है। इनके पास हिंदुओं को भड़काने के अलावा कुछ नहीं है। आज बेरोज़गारी है उसकी चिंता इनको नहीं है, महंगाई बहुत भयंकर बढ़ रही है उसकी चिंता नहीं है तो और क्या करेंगे इमर्जेंसी इमर्जेंसी की बात करेंगे।

सरकार प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और राजसमंद विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी के करकमलों से बुधवार को राजसमंद को कई सौगातें मिली। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भीलवाड़ा होते हुए राजसमंद पंचायत समिति अंतर्गत ग्राम पंचायत घाटी के नवीन भवन का लोकार्पण करने पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उनके स्वागत के लिए उपस्थित थे। रावत ने पंचायत भवन पहुंचकर विधायक दीप्ति माहेश्वरी के साथ फीता काट कर नवीन भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने पंचायत भवन का अवलोकन कर कहा कि यहाँ आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का समय पर समाधान हो। पंचायत भवन के निकट ही आयोजित जन सभा को उन्होंने संबोधित किया।

मंत्री रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की कमान संभालने के बाद से ही प्रत्येक गाँव में अंतिम व्यक्ति के कल्याण की दिशा में कदम उठाए हैं। बजट घोषणा 2024-25 में 150 करोड़ रुपए की लागत से राजसमन्द बांध मे जल की आवक में अभिवृद्धि करने हेतु खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढाने के लिए शेष रहे जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य स्वीकृत हुए हैं जिससे आने वाले समय में इस क्षेत्र के बड़े हिस्से को राहत मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए विधायक दीप्ति माहेश्वरी के प्रयास सराहनीय रहे हैं और वे बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि विधायक माहेश्वरी अपने क्षेत्र के लिए सदैव संघर्षशील रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 5 जून से 20 जून तक आयोजित 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' में भी उल्लेखनीय कार्य किए गए जिनमें जल स्रोतों में सफाई, मरम्मत आदि कार्य हुए है। ये जल संरक्षण के कार्य हमें सदैव ही प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि राजसमंद जिला इस अभियान में अग्रणी रहा है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए हर व्यक्ति प्रयास करे।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि वे राजसमंद को 150 करोड़ रुपए की लागत से खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढ़ाने के लिए शेष रहे जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य स्वीकृत करने हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की आभारी हैं। ये कार्य होने से किसानों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा एवं पानी के वेस्टेज में भी कमी आएगी। सरकार ने कुँवारिया कस्बे को सीएचसी की सौगात दी है जिससे यहाँ मरीजों को भी लाभ मिलेगा। साथ ही जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर नल से जल का सपना भी साकार किया जा रहा है।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत यहाँ से प्रस्थान कर सीधे नगर परिषद राजसमंद क्षेत्र के धोइन्दा पहुंचे एवं धोइंदा तालाब के पुनरुद्धार कार्यों का शुभारम्भ किया। यहाँ भी उन्होंने जनकल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यों के तहत तालाब की डी-वॉटरिंग कर गहरीकरण करेंगे, रिंग रोड की मिसिंग लिंक का निर्माण करेंगे तथा तालाब के मध्य एक खूबसूरत आइलेंड का निर्माण किया जाएगा। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि धोइंदा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य होने के पश्चात यह एक शानदार पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा जिसका लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय जनता को मिलेगा। कार्यक्रम में समाजसेवी,अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय जन मौजूद थे। अंत में कमला नेहरू हॉस्पिटल के बाहर कन्या सुरक्षा सर्कल का लोकार्पण किया।

उदयपुर में फ्रांसीसी महिला से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में विज्ञापन शूट के लिए आई फ्रांसीसी महिला से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के लिए एक युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान चित्तौड़गढ़ के गंगरार निवासी 29 वर्षीय पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा के रूप में हुई है और आरोपी एक कास्टिंग कंपनी का मालिक है। उन्होंने बताया कि आरोपी फिल्मों, संगीत वीडियो व टेलीविजन धारावाहिकों के लिए काम कर चुका है और पिछले आठ वर्ष से उदयपुर में रह रहा है।

उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि पुष्पराज की कंपनी ने महिला को मोबाइल विज्ञापन शूट के लिए काम पर रखा था और इसकी शूटिंग 22 जून को उदयपुर के विभिन्न स्थानों पर हुई, जिसमें पिछोला झील, सज्जनगढ़ किला और स्थानीय रेस्तरां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शूटिंग के बाद पूरी यूनिट ने टाइगर हिल के पास एक कैफे में कथित तौर पर पार्टी की और पार्टी के बाद आरोपी महिला को धूम्रपान के बहाने सुखेर स्थित अपने फ्लैट पर ले गया और उसका यौन शोषण किया। पुलिस ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान पुष्पराज ने अपना अपराध कबूल कर लिया।

आपातकालः न्यायमूर्ति सिन्हा ने इंदिरा गांधी को अयोग्य ठहराने के फैसले पर कभी 'पछतावा' नहीं किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 12 जून 1975 को लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य घोषित करने वाले न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा को अपने इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ। उनके इस निर्णय के 13वें दिन देश में 21 महीने लंबा आपातकाल लागू किया गया और इतिहास के पन्नों में दर्ज अनेक घटनाक्रम हुए, मगर सिन्हा ने हमेशा माना कि उन्होंने जो किया, सही किया।

न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा के बेटे न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने 'पीटीआईभाषा' से टेलीफोन पर की गयी बातचीत में बताया, ''मेरे पिता को वह फैसला सुनाने पर कभी कोई पछतावा नहीं हुआ, क्योंकि उन्होंने वही किया जो सही था। उनके लिए यह किसी सामान्य मामले की तरह था और उन्होंने गुणदोष और तथ्यों के आधार पर फैसला किया।'' वह ऐतिहासिक फैसला कोर्ट रूम 24 (जिसे अब 34 के रूप में पुनः क्रमांकित किया गया है) में सुनाया गया था।

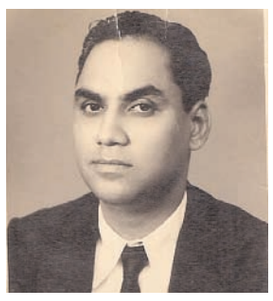

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने कहा, ''कोई भी यह नहीं कह सकता कि उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री को अयोग्य ठहराने का आदेश देने का बाद में कोई लाभ उठाने की कोशिश की। कोई भी यह नहीं कह सकता कि उन्हें इसका कोई पारितोषिक मिला।'' भारत में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक आपातकाल लागू रहा। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत एक आदेश जारी किया था जिसमें 'आंतरिक अशांति' का हवाला देते हुए मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। इस फैसले से व्यापक आक्रोश फैल गया। उन्होंने कहा कि उनके पिता न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा ने कभी अपने फैसले पर डर या पछतावा महसूस नहीं किया। अगर उन्हें डर या कुछ और महसूस होता तो वे फैसला नहीं सुनाते। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने कहा, ''मेरे पिता को उस वक्त सबसे शक्तिशाली रहीं इंदिरा गांधी का लोकसभा निर्वाचन रद्द करने के नतीजों के बारे में पता रहा होगा। उनके लिये सबसे आसान तरीका याचिका को खारिज करना होता, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।''

उन्होंने कहा, ''जब आपातकाल लगाया गया तब मैं ग्यारहवीं कक्षा में था। हां, कभी-कभी मेरे पिता को धमकी देने वाले गुमनाम फोन आते थे कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा लेकिन जहां तक मुझे याद है, हमारे परिवार पर कभी कोई दबाव नहीं था।'' न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने कहा, ''वह लैंडलाइन फोन का जमाना था इसलिए यह नहीं बताया जा सकता था कि वे फोन कॉल कौन कर रहा था। कई बार कॉल करने वाले दावा करते थे कि पुलिस मेरे पिता को गिरफ्तार करने आई है लेकिन चूंकि ऐसा कुछ कभी नहीं हुआ, इसलिए वे गुमनाम कॉल ज़्यादातर शरारतपूर्ण लगते थे।''

आपातकाल के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''लोगों के लिए, वह वाकई मुश्किल समय था। क्या कुछ हुआ, यह जगजाहिर है। कैसे छात्रों को परेशान किया गया, गिरफ्तार किया गया। प्रेस को चुप करा दिया गया, राजनीतिक नेताओं को जेल में डाल दिया गया और मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया।''

झारखंडः किसान के घर घुसा बाघ, वन अधिकारियों ने पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले के एक गांव में बुधवार को एक वयस्क बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) एक किसान के घर में घुस गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई, हालांकि बाद में वन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया।

यह घटना झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 65 किलोमीटर दूर मुरी पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में सिल्ली प्रखंड के मरदु गांव में घटी।

रांची के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रीकांत वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बाघ सुबह करीब पांच बजे पूरन चंद महतो के घर में घुस गया।

वर्मा ने बताया कि जब किसान ने बाघ को घर के एक कमरे में घुसते देखा तो उन्होंने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि जब बाघ घर में घुसा तो करीब आठ साल की दो बच्चियां भी घर के अंदर थीं, लेकिन उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से एक बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू कर कर सफलतापूर्वक बाघ को पकड़ लिया। उन्होंने कहा, पिंजरे में बंद करने के बाद उसे बेहोश कर दिया गया। उसे एक वाहन में लादकर रांची के बिरसा जैविक उद्यान ले जाया जाएगा, जहां उसे निगरानी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि, बाघ को मुक्त करने का निर्णय बाद में लिया जाएगा।

आपातकाल याद दिलाता है कि लोकतंत्र को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए : सिक्किम मुख्यमंत्री

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि देश में 50 वर्ष पहले लगाया गया आपातकाल भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक चेतावनी है कि लोकतंत्र को कभी हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। तमांग ने यहां मनन केंद्र में 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के लिए आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दिन 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, '' यह दिन (25 जून) भावी पीढ़ियों को याद दिलाता है कि लोकतंत्र को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसके लिए निरंतर सतर्कता, सक्रिय भागीदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की आवश्यकता होती है।'' उन्होंने कहा कि संविधान भारत की पहचान का गौरवशाली प्रतीक है जो प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता और समानता की गारंटी देता है। तमांग ने कहा, ''संविधान एक कानूनी दस्तावेज है और हमारे लोकतंत्र की नींव है जो लोगों को सशक्त बनाता है और केंद्र सरकार को जवाबदेह बनाता है।'' उन्होंने कहा, '' इस अवसर पर हम उन बहादुर नेताओं और नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया, जिनमें से कई को कारावास और उत्पीड़न सहना पड़ा। उनका साहस और बलिदान हमें लगातार प्रेरित करता रहता है।

आपातकाल लोकतंत्र में एक 'काला अध्याय': खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को अतीत से सीख लेने और संविधान की रक्षा के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराने के महत्व को रेखांकित किया। सीमावर्ती जिले तवांग में 'संविधान हत्या' दिवस नामक कार्यक्रम के आयोजन का नेतृत्व करते हुए खांडू ने लोगों से नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करने और राष्ट्र को परिभाषित करने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता है।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, आइए हम अतीत से सीख लें और संविधान की रक्षा, नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा और हमारे महान राष्ट्र को परिभाषित करने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करें। देश में आपातकाल लागू होने की 50वीं बरसी पर खांडू ने यह बात कहीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लगाया था, जिसे भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में चुनौतीपूर्ण और काले अध्यायों में से एक माना जाता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर धब्बा था आपातकाल : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी (बिहार)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने बुधवार को आपातकाल को 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर धब्बा' बताया और आरोप लगाया कि इसके लिए उस समय सत्तारूढ़ कांग्रेस की 'तानाशाही प्रवृत्ति' जिम्मेदार थी।

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे लोकसभा सदस्य ने पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद पर भी निशाना साधते हुए कहा, ''जेपी आंदोलन से उपजे नेता, जिन्होंने कांग्रेस की तानाशाही को चुनौती दी थी, अब उसी पार्टी की गोद में बैठ गए हैं।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, ''आपातकाल लागू करके इंदिरा गांधी ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को कुचल दिया था। उनके पोते राहुल गांधी उसी संविधान को अपनी जेब में रखना पसंद करते हैं। यह संविधान के प्रति पार्टी की उपेक्षा को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि देश यह नहीं भूला है कि कैसे 50 साल पहले इसी तारीख को इंदिरा गांधी ने रात के अंधेरे में आपातकाल लागू किया था, जिसके बाद ''प्रेस सहित सरकार की आलोचना करने की हिम्मत करने वाले सभी लोगों के खिलाफ ज्यादतियां की गईं।'' ठाकुर ने कहा, ''यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर एक धब्बा है और कांग्रेस की तानाशाही प्रवृत्ति को दर्शाता है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''सत्ता में रहते हुए, कांग्रेस ने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अनगिनत बार संविधान में संशोधन किया। अनुच्छेद 357 का दुरुपयोग करके कई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया गया। यह सब पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय से चल रहा था।'' उन्होंने कहा, ''दिवंगत न्यायमूर्ति एच आर खन्ना को भारत के प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति से वंचित कर दिया गया क्योंकि उन्होंने आपातकाल के दौरान अपने मन की बात कही थी। कई नेताओं और छात्र कार्यकर्ताओं को अपने करीबी रिश्तेदारों के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पैरोल नहीं दी गई थी।

'भारत के 'गगनयान मिशन' के लिए अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अनुभव होंगे उपयोगी'

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा भारत के लिए गौरव का क्षण है और उनके अनुभव देश के आगामी 'गगनयान मिशन' के लिए बहुत उपयोगी होंगे। वहीं, राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला की यात्रा ने भारतीय अंतरिक्ष इतिहास में एक नया गौरवशाली अध्याय जोड़ा है।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत अंतरिक्ष में पहुंचा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा भारत के लिए गौरव का क्षण है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में यह बड़ी कामयाबी है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के पायलट की अंतरिक्ष यात्रा से मिले अनुभव देश के आगामी 'गगनयान मिशन' के लिए महत्वपूर्ण होंगे। आचार्य ने एक पोस्ट में कहा, '''एक्सिओम मिशन 4' के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष अभियान भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं और 1.4 अरब भारतीयों के सपनों और उम्मीदों की नई उड़ान है।''

'नकली समाजवादी आपातकाल लगाने वालों की गोद में बैठ गए': मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने देश में आपातकाल लगाये जानी की 50वीं बरसी पर बुधवार को विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि नकली समाजवादी आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस पार्टी की गोद में बैठ गए हैं।

मौर्य ने यहां 'सर्किट हाउस' में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए, आपातकाल के समय असली समाजवादी लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रहे थे। कांग्रेस के खिलाफ लोक नायक जयप्रकाश नारायण, जार्ज फर्नांडीस, मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद इस आंदोलन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, जो कांग्रेस की गोद में बैठ गया, वह कांग्रेस की तरह ही हो गया। लोकतंत्र की हत्या करने वाली, इस देश में आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस पार्टी के साथ जो खड़ा है, उसे कांग्रेस ही समझना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा, संविधान में आपातकाल लगाने की व्यवस्था है और वह भी तब जब देश संकट में हो। लेकिन उस समय देश पर संकट नहीं था, बल्कि गांधी परिवार की सत्ता पर संकट था। उन्होंने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश पर इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया गया था। न्यायपालिका का इतना साहस कैसे कि इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया जाए। उस समय भारत का मतलब कांग्रेस और इंदिरा गांधी था। कांग्रेस ने सत्ता को बचाने के लिए देश में आपातकाल लगाया, जो कांग्रेस के अहंकार का सूचक है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांग्रेस ने सत्ता का दुरुपयोग कर वह कार्य किया, जो उन्हें नहीं करना चाहिए था। अब कांग्रेस मुक्त भारत और सपा मुक्त प्रदेश बनाने का समय आ गया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान के हत्यारों के साथ सपा ने गठबंधन किया और प्रतिपक्ष के नेता के संविधान की किताब लेकर जनता को गुमराह किया।

वाजपेयी ने की थी इंदिरा की तारीफ, भाजपा को उनसे सीखना चाहिएः पप्पू यादव

नई दिल्ली/भाषा। निर्दलीय लोकसभा सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने आपातकाल के विषय को लेकर बुधवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि सत्तारूढ़ दल को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में सीखना चाहिए, जिन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तारीफ की थी।

बिहार के पूर्णिया से सांसद ने यह दावा भी किया कि वर्तमान सरकार में सभी संवैधानिक संस्थाओं को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''सारी संस्थाओं के मूल्यों को खत्म किया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों ने संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि अघोषित आपातकाल है। ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग, सब भाजपा का दफ्तर बनकर रह गया है। सारी शैक्षणिक संस्थाओं में आरएसएस के लोग बैठ गए हैं।'' यादव ने कहा, ''आपातकाल एक राजनीतिक प्रक्रिया थी, जिसमें कहीं गलती या भूल हुई और इसे स्वीकार भी किया गया। लेकिन आपातकाल के कुछ साल बाद हुए चुनाव में जनता ने इंदिरा गांधी को बड़ा जनादेश दिया।'' उन्होंने कहा, ''हम तो कहेंगे आप (भाजपा) अटल जी से लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में सीखिए, जिन्होंने इंदिरा जी को दुर्गा की उपाधि दी थी और कहा था कि हमें उन पर गर्व है।''

विवादित असम-मेघालय सीमा पर तनाव, भीड़ ने पौधे उखाड़े, सुरक्षा ढांचों को तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। असम-मेघालय राज्यों की विवादित सीमा के समीप बसे एक गांव में बुधवार को तनाव पैदा हो गया और भीड़ ने कई पौधे उखाड़ दिए एवं पौधों की सुरक्षा के लिए बनाए गए लकड़ी के ढांचे को जला दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लापांगाप गांव में असम के कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) द्वारा पौधा रोपण अभियान का आयोजन किया गया।

लापांगाप के जिस पहाड़ी इलाके पर यह घटना घटी उस पर मेघालय के पश्चिमी जयंतिया पर्वतीय जिले के निवासी और असम के कार्बी आंगलोंग जिला निवासी अपना-अपना क्षेत्र होने का दावा करते हैं।

मेघालय के विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों के समर्थन से लापांगाप और अन्य गांवों के लगभग 400 लोग पौधरोपण वाले क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने पौधों को उखाड़ दिया और लकड़ी के ढांचे को जला दिया। उनका दावा था कि असम पौधरोपण करके उनके राज्य में अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा है। पश्चिमी जयंतिया पर्वतीय जिले के उपायुक्त अभिनव कुमार सिंह ने बताया कि पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''केएएसी द्वारा (पश्चिम जयंतिया पर्वतीय) जिला प्रशासन को पूर्व सूचना दिए बगैर ही पौधा रोपण किया गया।'' उन्होंने बताया कि पौधा रोपण के बारे में जिला प्रशासन तक एक सप्ताह पहले ही सूचना पहुंच गई थी और आज शांति बैठक होनी थी तथा इसके लिए क्षेत्र के लोगों को उस स्थान पर जाने से रोक दिया गया। अधिकारी ने बताया कि तहपत गांव में शांति बैठक निर्धारित थी, लेकिन किसी भी व्यक्ति के वहां नहीं पहुंचने के कारण इस बैठक का आयोजन नहीं हो सका।

भाजपा ने देश में लागू किया हुआ है अघोषित आपातकाल : अखिलेश

फर्रुखाबाद/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि जून 1975 में घोषित तौर पर आपातकाल लागू किया गया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस समय देश में अघोषित आपातकाल लागू किया हुआ है।

पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव की तेरहवीं में शामिल होने पहुंचे सपा प्रमुख ने आपातकाल की 50वीं बरसी से जुड़े एक सवाल पर संवाददाताओं से कहा, इस समय देश में अघोषित आपातकाल जारी है। जयप्रकाश नारायण के भ्रष्टाचार रोधी आंदोलन के बाद तो घोषित तौर पर आपातकाल लागू किया गया था लेकिन भाजपा ने इस वक्त अघोषित आपातकाल लगाया हुआ है। उन्होंने कहा, देश में जाति और धर्म के नाम पर भेदभाव किया जा रहा है। भाजपा के राज में महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा धर्म से धर्म और जाति से जाति को लड़ा रही है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने इटावा में यादव समाज के एक कथावाचक और उनके साथियों से मारपीट की घटना का जिक्र करते हुए कहा, इटावा की घटना को शोषण करने वाले वर्चस्ववादी लोगों ने अंजाम दिया। भाजपा सपना दिखाती हैं कि हम विश्व गुरु हो गए हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मेरी बात मानते हैं, लेकिन इटावा जैसी घटनाएं समाज में बेहद निंदनीय है। ऐसी सभी घटनाये भाजपा सरकार में हो रहीं हैं।''

पुरी जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद तमलुक शहर में वितरित किया जाएगाः शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद 27 जून को रथयात्रा के दिन से पांच दिनों तक तमलुक शहर के एक मंदिर से लोगों के बीच वितरित किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार दीघा के जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद पूरे पश्चिम बंगाल में लोगों में वितरित कर रही है। इस मंदिर का उद्घाटन 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया था। तमलुक और दीघा दोनों ही राज्य के पूर्व मेदिनीपुर जिले में स्थित हैं। अधिकारी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर दीघा में जगन्नाथ मंदिर के प्रसाद के नाम पर स्थानीय मिठाइयां बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पुरी जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद तमलुक स्थित गौरांग महाप्रभु मंदिर से रथ यात्रा के दिन से पांच दिनों तक लोगों के बीच वितरित किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने शुभेंदु अधिकारी पर धर्म और राजनीति के घालमेल का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता जयप्रकाश मजूमदार ने कहा, ''केवल शुभेंदु अधिकारी ही धर्म को लेकर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।''

भाजपा ने 'अघोषित आपातकाल' वाले बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की आलोचना की और कहा कि मुख्य विपक्षी दल 'संविधान हत्या दिवस' मनाये जाने से घबरा गया है क्योंकि इसने 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार द्वारा किये गये अत्याचारों की यादें ताजा कर दी हैं। खरगे ने बुधवार को आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी के हमले को लेकर उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि पिछले 11 साल से देश में ''अघोषित आपातकाल'' है। खरगे ने कहा कि भाजपा मोदी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का नाटक कर रही है। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ खरगे की टिप्पणी की निंदा की और कहा कि कांग्रेस इस बात से परेशान है कि देश 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल को 'काला दिवस' के रूप में मना रहा है, क्योंकि इससे उस समय किए गए अत्याचारों की यादें ताजा हो गई हैं। पात्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बिना किसी कैबिनेट निर्णय के आपातकाल लागू कर दिया था। रातों-रात करीब डेढ़ लाख लोगों को जेल में डाल दिया गया था। मीडिया संस्थानों की बिजली काट दी गई थी ताकि अखबारों में सच न छप जाए।

शार्दुल ठाकुर की जगह दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव को मिल सकती है जगह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला के पहले मैच में शार्दुल ठाकुर से कम गेंदबाजी कराने के कप्तान शुभमन गिल के फैसले का बचाव किया लेकिन दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उनके चयन को सही ठहराना मुश्किल होगा।

दिसंबर 2023 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे शार्दुल का तेज गेंदबाजी में अच्छा उपयोग नहीं हुआ और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी टीम को निराश किया। उन्होंने दो पारियों में 20 गेंदों पर कुल पांच रन बनाए। शार्दुल ने मैच की पहली पारी में सिर्फ छह ओवर और दूसरी पारी में 10 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह उन्हें तरजीह देने पर सवाल उठ रहे हैं। शार्दुल ने मैच के पांचवें दिन हालांकि लगातार दो विकेट लेकर भारत की जीत की उम्मीदें जगा दी थी लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार और पैनापन नहीं था। उन्होंने और प्रसिद्ध कृष्णा ने बहुत सारी कमजोर गेंदें फेंकी, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना। भारत को इस पांच दिवसीय मैच में ज्यादातर समय तक दबदबा बनाये रखने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद टीम को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। एजबेस्टन टेस्ट के लिए हालांकि अंतिम एकादश में कुछ बदलाव तय हैं।

विशेषज्ञों ने शृंखला के पहले मैच में कुलदीप यादव को शामिल करने की मांग की थी और अब बर्मिंघम में स्पिनरों की मदद करने वाली पिच पर शार्दुल की जगह उन्हें शामिल किए जाने की संभावना है। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने 'पीटीआई' से कहा, ''कुलदीप को टीम में होना चाहिए। चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का कोई मतलब नहीं है। शार्दुल या प्रसिद्ध में से कोई भी उनके लिए जगह बना सकता है।'' इंग्लैंड में टीमें अकसर चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरते रहीं हैं लेकिन मौजूदा समय में शुष्क मौसम को देखते हुए कुलदीप और रविंद्र जडेजा दोनों अंतिम एकादश में जगह बना सकते हैं।

सुविचार

कृष्ण ने प्रेम को कोई नाम नहीं दिया, लेकिन राधा की चुप्पी में उन्हें सब कुछ कह दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कला के बहाने शत्रु का समर्थन क्यों?

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान पर धावा बोलने से पहले ही भारत सरकार ने इस पड़ोसी देश के पर कतरने शुरू कर दिए थे। इसके लिए जासूसी करने वाले कई एजेंट पकड़े जा चुके हैं। साथ ही, कई पाकिस्तानी कलाकारों, कथित पत्रकारों और चैनलों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाया गया। ऐसा करना जरूरी था, क्योंकि ये लोग 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दुष्प्रचार और भ्रम का प्रसार कर सकते थे। इन्होंने ऐसा किया भी, लेकिन उसका खास असर नहीं हुआ। जब हमारा देश आतंकवाद के खिलाफ इतनी मजबूती से लड़ाई लड़ रहा है तो कुछ लोग पाकिस्तानी कलाकारों के समर्थन में क्यों राग अलाप रहे हैं? पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर की वजह से एक भारतीय अभिनेता सुर्खियों में छाए हुए हैं। एक गायक बेसिर-पैर की दलील दे रहे हैं कि 'अगर प्रतिबंध लगाना है तो जितने भी पाकिस्तानी गाने हैं, सब पर लगाएं ... उन पर भी जिनके लिए पहले पाकिस्तानी गायकों ने आवाज दी थी!' इसका मतलब यह हुआ कि भारतीय सिनेमा उद्योग का पूरा रिकॉर्ड उठाकर उसका अध्ययन करें, उसमें पाकिस्तानियों की पहचान करें, उसके बाद प्रतिबंध लगाएं। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्तमान पर ध्यान देने के बजाय अतीत के गलियारों में ही घूमते रहें, जब किसी निष्कर्ष पर पहुंच जाएं, तब कोई कार्रवाई करें ... इस दौरान पाकिस्तानियों को धड़ल्ले से काम करने दें! कुछ कथित कलाकारों का यह रवैया समझ से परे है। क्या वजह है कि आपको पाकिस्तानी कलाकार ही चाहिएं? अगर पड़ोसी देशों के कलाकारों को काम देना है तो भूटान, नेपाल, श्रीलंका के कलाकारों को दें।

देश में कई वर्षों से एक और अजीब दलील खूब दी गई है कि 'कला के लिए कोई सरहद नहीं होती, लिहाजा पाकिस्तान के सिनेमा उद्योग से जो व्यक्ति आए, उसका खूब स्वागत होना चाहिए।' हमारा सैनिक एलओसी पर लहूलुहान हो जाए या वीरगति को प्राप्त हो जाए, लेकिन हमारे देशवासी पाकिस्तानी कलाकारों के लिए 'वाह-वाह' करते रहें! क्या इस तरह हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं? हमारा सैनिक अपने सीने पर गोलियां खाता रहे, लेकिन हम पाकिस्तानियों पर प्रतिबंध भी न लगाएं? भारत में बहुत लोगों में शत्रुबोध का घोर अभाव है। वे यह बात समझ ही नहीं रहे कि पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद को कुचलने के लिए हमें कई मोर्चों पर लड़ाई लड़नी है। जो पाकिस्तानी कलाकार भारत में काम करने के बदले धन पाते हैं, उससे इस पड़ोसी देश की अर्थव्यवस्था को ताकत मिलती है। कई पाकिस्तानी ड्रामे सोशल मीडिया के जरिए भारत में खूब देखे गए। इससे जो डिजिटल कमाई हुई, उसका बहुत बड़ा हिस्सा पाकिस्तानी खजाने में गया था। क्या इस्लामाबाद ने उस राशि का इस्तेमाल हमारे खिलाफ नहीं किया होगा? पहलगाम में आतंकवादी हमले की फंडिंग से लेकर हमारे कई शहरों पर मिसाइलें दागने और ड्रोन भेजने के लिए पाकिस्तान के पास पैसा कहां से आया होगा? भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उनके व्यूज एकदम गिर गए हैं। जिन वीडियो को पहले लाखों लोग देखते थे, अब वे कुछ हजार तक सिमट गए हैं। सोचिए, पिछले एक दशक में भारतीय इंटरनेट यूजर्स ने पाकिस्तानी चैनलों को कितने व्यूज दिए होंगे और उससे कितनी कमाई हुई होगी? इस समय पाकिस्तान के लिए एक-एक डॉलर बहुत महत्त्वपूर्ण है। जिस दिन उसका खजाना थोड़ा-सा भर जाएगा, वह हमारे खिलाफ आतंकवाद को भड़काएगा। आतंकवादियों और उनके आकाओं को मुंहतोड़ जवाब देने की जिम्मेदारी सिर्फ भारत सरकार और सशस्त्र बलों की नहीं, हम सबकी है। हम ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे पाकिस्तान को किसी भी तरह का लाभ हो।

ट्वीटर टॉक

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा द्वारा शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतने पर अनंत शुभकामनाएं। नीरज का यह समर्पण, अनुशासन और देश के लिए खेल भावना आज हर भारतीय के मन में गर्व का भाव जगा रही है।

-दीया कुमारी

परमवीर चक्र से अलंकृत शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। करगिल युद्ध के दौरान खालूबार की कठिनतम लड़ाई में उन्होंने अद्वितीय साहस, वीरता और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

-ओम बिरला

फ्रांस की महिला के साथ उदयपुर में दुष्कर्म के मुद्दे पर : अब बताइए कि फ्रांस की लेडी का रेप हो गया , अभी अमेरिका ने जारी किया एडवाइजरी हिंदुस्तान में छह राज्य ऐसे हैं जहां पर महिला सुरक्षित नहीं हैं कृपया ध्यान रखें अमेरिकन लोग वहां जाएं तो कहीं रेप की घटना न हो जाए।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सच्चा मार्गदर्शक

मालवा के राजा भोज, माघ पंडित को साथ लेकर घूमते-घामते नगरी से कोसों दूर निकल गये और रास्ता भूल गए। लाख सिर पटका, पर सही रास्ता न मिला। हारकर दोनों एक बुढ़िया के पास पहुंचे। माघ ने कहा, 'मां, पाय लागूं।' 'जीते रहो, बेटे! तुम दोनों कौन हो?' बुढ़िया ने आशीष देकर पूछा। 'मां, हम राही हैं, रास्ता भूल गए हैं।' माघ ने असलियत छिपाते हुए कहा। 'बेटा! संसार में राही तो दो ही हैं। एक सूर्य, दूसरा चन्द्रमा। तुम तीसरे कहां से आये?' 'मां! मैं राजा हूं।' भोज ने जवाब दिया। बुढ़िया हंसकर बोली, 'बेटा, राजा भी दो ही हैं। एक इन्द्र और दूसरे यमराज तुम इनमें से कौन से हो?' 'मां! हम परदेशी हैं।' माघ ने कहा। 'मगर परदेशी भी दो हैं- पहले जीव-जन्तु और दूसरे पेड़-पौधे। बताओ, इनमें से तुम कौन हो?' 'हम बहुत क्षमता वाले हैं।' भोज ने कहा। 'पर बेटा! क्षमतावान भी केवल दो हैं। एक पृथ्वी और दूसरी स्त्री। तुम कौन से हो?' 'मां। हम हारे हुए पथिक है।' माघ बोले। 'हारे हुए भी संसार में दो ही हैं-कर्जदार और कन्या का पिता। तुम कौन हो?' 'मां! हमें कुछ नहीं मालूम, तुम्ही बताओ?' भोज ने कहा। 'बेटा, मैं तो यूं ही अटकल लगा रही थी। आपको कौन नहीं जानता।

सामयिक

परमाणु हथियारों के बहाने किए गए युद्ध का परिणाम क्या हुआ?

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 09981061100

अमेरिका ने जिन तीन परमाणु स्थलों पर हमला किया है, वह सभी ईरान के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन ठिकाने हैं। यहां संयंत्रों में प्राकृतिक यूरेनियम को अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम में बदला जाता है। इसी यूरेनियम को प्रयोग परमाणु बम में किया जाता है। परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्याप्त होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है।

ईरान-इजरायल के बीच 12 दिन चला युद्ध बीच में अमेरिका द्वारा ईरान के एक साथ तीन परमाणु ठिकानों पर हमला, जवाबी कार्यवाही में ईरान का कतर में स्थित अमेरिका के सैन्य ठिकाने पर अल-उदैद हमले के आखिरी परिणाम क्या निकला? कहना मुश्किल है। यह युद्ध और इस युद्ध के हासिल नटखट बच्चे की हरकतों की तरह देखने में आए है। ये हरकतें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रही हैं। इजरायल ने ट्रंप की शह पर ईरान पर मिसाइलों से हमले इसलिए किए, जिससे उसकी परमाणु क्षमता को नष्ट कर अपने देश की रक्षा कर ली जाए। इसी दौरान आ बैल मुझे मार कहावत को चरितार्थ करते हुए अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले किए। और दावा किया कि इन परमाणु संयंत्रों को इतना नुकसान हो गया है कि अब कई साल तक ईरान परमाणु बम नहीं बना पाएगा। ये बम बनाना तब और मुश्किल हो गया है, जब इजरायल ने ईरान पर किए पहले ही हमले में वहां के अनेक परमाणु वैज्ञानिकों को मार दिया था। युद्ध के ग्यारहवें दिन ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देश युद्ध विराम के लिए तैयार हो गए हैं। परंतु इस घोषणा के बाद दोनों ही देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए। यही नहीं ईरान ने भी अमेरिका के अरब देशों में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों के संदर्भ में ट्रंप ने कहा कि उसे कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। इसलिए अमेरिका ने ईरान पर कोई जवाबी हमला नहीं किया और ट्रंप ने दावा कर दिया कि उनकी मध्यस्थता से युद्ध विराम लागू हो गया है। कतर ने भी इस युद्ध विराम में मध्यस्थता के भूमिका अदा की। लेकिन इस युद्ध की जरूरत क्या थी, यह सवाल जस की तस बना हुआ है।

दरअसल इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता नष्ट हो गई है। परंतु पलटवार करते हुए ईरान ने कहा है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखेगा। ट्रंप ने भी कह दिया कि ईरान बम बनाने से बहुत दूर हो गया है। तब इस युद्ध का परिणाम क्या निकला? परमाणु हथियारों के जानकार कह रहे हैं कि ईरान के पास 20 परमाणु हथियार बनाने की क्षमता थी, जो अब घटकर 6 बम बनाने की रह गई है। जबकि ट्रंप का घोषित लक्ष्य था कि ईरान यूरेनियम क्षमता बढ़ाने के लिए जिस तेजी से संवर्धन कर रहा है, वह तय सीमा से बाहर की बात होती जा रही है। लेकिन ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता कम भले ही हो गई हो, पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। यह तथ्य तीनों देशों के आए बयानों से सत्यापित होता है। अतएव ईरान पर किया गया बेवजह हमला, कुछ वैसा ही रहा जैसा 2003 में अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने ईराक पर यह कहते हुए किया था कि ईराक के पास बड़ी मात्रा में जैविक हथियार हैं। जबकि युद्ध के दौरान और युद्ध के बाद अमेरिका जैविक हथियार होने का कोई प्रमाण दुनिया को नहीं दे पाया। हां, सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतारने के बाद तेल के कुओं पर जरूर कब्जा कर लिया। बावजूद यह आशंका बनी हुई है कि ईरान के परमाणु ठिकानों पर जो बम गिराए हैं, उनसे यदि रिसाव होता है तो एक बड़े भू-क्षेत्र में परमाणु विकिरण का संकट पैदा हो सकता है।

अमेरिका ने ईरान के परमाणु संवर्धन प्रतिष्ठान फोदों, नतांज और इस्फहान पर अत्याधुनिक बी-2 घातक बमों से हमला किया था। इन बमों को सटीक निशाने पर दागने के लिए अमेरिकी पनडुब्बियों ने पहले दो मिसाइलों से बम गिराए, जिससे बंकर बस्टर बमों के लिए मैदान साफ किया गया। इसके बाद बम दर्शकों ने आसमान से एक के बाद एक 14 जीबीयू-57 बी बंकर बस्टर दाग दिया। इस पूरे अभियान को नतीजे तक पहुंचाने के लिए अमेरिका ने 15 युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया। उपग्रह द्वारा निर्देशित 2400 किलो परमाणु विस्फोटक साथ ले जाने वाला यह बम जमीन में घूमता हुआ 60 मीटर गहराई तक जाने के बाद विस्फोट करके अपने लक्ष्य साधने में सफल हुआ। अमेरिका ने तीनों ठिकानों पर 14000 किलो विस्फोटक वाले बम गिराए थे, अतएव भविष्य में विकिरण का खतरा पैदा हो सकता है ?

अमेरिका ने जिन तीन परमाणु स्थलों पर हमला किया है, वह सभी ईरान के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन ठिकाने हैं। यहां संयंत्रों में प्राकृतिक यूरेनियम को अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम में बदला जाता है। इसी यूरेनियम को प्रयोग परमाणु बम में किया जाता है। परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्याप्त होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है। यह हमले जिस तादाद में किए गए हैं, उससे बड़े पैमाने पर परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका जताई जा रही हैं। परमाणु बम युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक विस्फोटाकों और रसायनों से भिन्न होते हैं। ये बहुत कम समय में बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, यह ऊर्जा अनेक कड़ियों में रसायनिक प्रक्रियाएं आरंभ कर देती हैं। जो व्यापक और दीर्घकालिक क्षति पहुंचा सकती है। परमाणु हथियार कुछ ही पलों में बड़ी मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, जो आसपास के वायुमंडल को लाखों डिग्री सेल्सियस तक गरम कर देती हैं। इस विस्फोट से अनेक प्रकार के विद्युत चुंबकीय विकिरण फैल जाते हैं, जो अत्यंत घातक होते हैं। हालांकि ईरान के इन ठिकानों में रखे परमाणु हथियारों में विस्फोट की कोई आशंका नहीं है। क्योंकि विस्फोट के लिए परमाणु उपकरणों का सहारा लेना पड़ता है। जो हमलों से संभव नहीं है, लेकिन इनमें रिसाव होता है। ऐसे में रासायनिक और रेडियोलाजिकल रिसाव दोनों ही संकट में डालने वाले होते है। रेडियोलाजिकल रिसाव 1996 में रूस के चेर्नोबिल और 2011 में तूफान आने से जापान के फुकुशिमा में हुआ था। अतएव हमलों के कारण परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका बनी हुई है। अतएव कह सकते हैं कि अमेरिका ने परमाणु विकिरण संकट खत्म किया है या बढ़ाया है।

अमेरिका का यह हमला दुनिया के अंतरराष्ट्रीय कानून और अपने ही देश के कानूनों की परवाह नहीं करता है। इसीलिए अमेरिका के भीतर इस परमाणु हमले को लेकर अमेरिकी जनमत विभाजित दिखाई दे रहा है। दरअसल किसी देश पर हमला करने के लिए ट्रंप को अमेरिकी संसद में हमले का प्रस्ताव लाकर अनुमोदन की जरूरत थी। परंतु उन्होंने इस प्रक्रिया पर अमल नहीं किया। जबकि अमेरिका की ही बात करें तो अप्रैल 2003 में इराक पर हमले के समय बुश ने संसद से मंजूरी ली थी। इसलिए ट्रंप के समर्थकों के साथ विपक्ष भी नाराज है। नाटो देश भी इस युद्ध पर सहमत दिखाई नहीं दिए। रूस और चीन खुले रूप में ईरान के पक्ष में खड़े दिखाई दिए। चूंकि भारत के ईरान और इजरायल दोनों से ही मधुर, कूटनीतिक संबंध हैं, इसलिए तटस्थ रहते हुए षांति की पहल करता रहा।

अंतरराष्ट्रीय कानून परमाणु बम के उपयोग को मानवता के विरुद्ध अमानुशिक कृत्य मानते हैं। इनके उपयोग के बाद संयुक्त राश्ट्र सुरक्षा परिशद (यूएनएससी) के कठोर आर्थिक व राजनीतिक प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन जितनी भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं, वे सब अमेरिका या अन्य पश्चिमी देशों के दबाव में रहती हैं। यही देश इन संस्थानों को चलाने के लिए धन मुहैया कराते हैं और इन्हीं देशों के लोग इन संस्थानों के सदस्य होते हैं, इसलिए यहां पक्षपात साफ दिखाई देता है। अतएव ईरान में परमाणु विकिरण फैल भी जाए, तब भी अमेरिका के विरुद्ध कोई प्रतिबंध लगाना असंभव है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तो कह ही दिया था कि यह संघर्ष बड़ा रूप ले सकता है। अतएव संकट का कूटनीतिक हल निकालना जरूरी है। इसलिए ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना जरूरी है। उसे समझौते के लिए बात करनी चाहिए। बातचीत से कूटनीति हल तो नहीं निकला लेकिन अमेरिका की धमकी ने युद्ध विराम का काम कर दिया। ईरान ने अमेरिकी सहयोग से 1957 में परमाणु कार्यक्रम षुरू किया था। 1970 में परमाणु बिजली घर बना लिया था। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद अमेरिका ने ईरान को सहयोग करना बंद कर दिया। बावजूद पश्चिमी देश ईरान पर परमाणु बम बना लेने का आरोप लगाते रहे। परमाणु अप्रसार संधि में शामिल होने के बाद भी ईरान पर शंकाएं की जाती रहीं। इजरायल ने जासूसी करके कुछ ऐसे सबूत जुटाए जिनसे यूरेनियम संवर्धन की आशंका मजबूत हुई। वर्ष 2000 में वैश्विक परमाणु निरीक्षकों को नतांज में सवंर्धित यूरेनियम मिला। हालांकि ईरान ने पहले संवर्धन रोक दिया था, लेकिन इजरायल की बढ़ती सामरिक क्षमता के चलते उसने गुपचुप परमाणु कार्यक्रम षुरू कर दिया था। इस कारण ईरान पर पश्चिमी देशों ने यह कहते हुए अनेक आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे कि ईरान परमाणु बम बनाने के निकट पहुंच गया है। बाद में कई साल चली वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने प्रतिबंध हटा लिए थे। इस समझौते में ईरान को असैन्य यूरेनियम संवर्धन को 3.67 प्रतिशत तक रखना मान्य कर लिया था। लेकिन 2018 में जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने तो उन्होंने समझौते से हाथ खींच लिए और ईरान पर कई प्रतिबंध लगा दिए। 2023 में आईएईए ने कहा कि ईरान में 83.7 प्रतिशत शुद्धता के यूरेनियम कण मिले हैं और उसके पास 128.3 किलो संवर्धित यूरेनियम है। मई 2025 में आईएईए ने दावा किया कि ईरान के पास 60 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम की मात्रा 408 किलो है। इससे कई परमाणु बम बनाए जा सकते है। इसे ही नष्ट करने के लिए युद्ध और युद्ध विराम का यह खेल खेला गया। लेकिन अब ईरान ने कह दिया है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखेगा। तब फिर इस युद्ध के परिणाम क्या निकले।

नजरिया

चिंता का सबब बनता युवा सोच पर नशे का ग्रहण

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक मौत को 'खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

आपातकालः ...जब मोदी जी ने 'स्वामीजी' के वेश में की यात्राएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य के रूप में पहचाने जाने से बचने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न वेश धारण कर यात्राएं कीं। एक बार ऐसे ही जब उन्हें संघ के कार्यकर्ताओं से मिलना था जो वह 'स्वामीजी' का वेश धारण कर जेल पहुंच गये जहां उन्होंने जेल में बंद कार्यकर्ताओं से करीब एक घंटे तक बात की। आपातकाल के दौरान मोदी की यात्राओं का उल्लेख करने वाली एक पुस्तक में यह बात कही गई है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए 21 महीने लंबे आपातकाल के दौरान एक युवा आरएसएस प्रचारक के रूप में मोदी ने विभिन्न वेश धारण कर यात्राएं कीं, हिंदुत्व संगठन के साथी कार्यकर्ताओं सहित अन्य लोगों के साथ बैठकें कीं, जेल में बंद लोगों के परिवारों के लिए सहायता का प्रयास किया तथा आपातकाल विरोधी साहित्य का नियमित प्रकाशन एवं वितरण सुनिश्चित किया। 'ब्लूक्राफ्ट' ने उस अवधि के दौरान भूमिगत अभियान में मोदी की भूमिका का विवरण देने के लिए द इमरजेंसी डायरीज – इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर प्रकाशित की है। यह पुस्तक उस समय मोदी से जुड़े कई लोगों से बातचीत पर आधारित है। पुस्तक के कुछ अंशों में गुजरात के नडियाद के आरएसएस स्वयंसेवक हसमुख पटेल के हवाले से कहा गया है कि मोदी उस समय भी नवोन्मेषी कार्यों के प्रति उत्सुक थे। उन्होंने बताया कि मोदी ने आपातकाल विरोधी साहित्य को नाइयों की दुकानों में रखने का सुझाव दिया था, जहां विभिन्न वर्गों के लोग एकत्र होते थे।

पुस्तक में कहा गया है, मोदी ने न केवल आपातकाल विरोधी साहित्य का नियमित प्रकाशन सुनिश्चित किया, बल्कि पूरे गुजरात में इसे वितरित करने की जोखिम भरी जिम्मेदारी भी निभाई। उस अंधकारमय समय में, साहित्य और प्रकाशनों ने नागरिकों के दिलों में लोकतांत्रिक लौ को जलाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें कहा गया है कि मोदी अपनी गतिविधियों को जारी रखने के लिए अक्सर सिख का भेष धारण करते थे। इसमें कहा गया है, उनका सरदारजी वाला भेष ऐसा था कि उनके करीबी परिचित भी उन्हें पहचान नहीं पाते थे। जूनागढ़ के पत्रकार विष्णु पंड्या बताते हैं कि राष्ट्रीय स्तर की 'संघर्ष समिति' के सदस्य के रूप में मोदी ने इस काले कानून के खिलाफ व्यापक राष्ट्रव्यापी आंदोलन में योगदान दिया और भावनगर जेल में बंद कार्यकर्ताओं से मिलने का फैसला किया जिनमें स्वयं पंड्या भी शामिल थे। पंड्या बताते हैं कि जयप्रकाश नारायण से जुड़े संगठन 'सर्वोदय' के सदस्य अक्सर बंदियों के लिए किताबें लाते थे। पंड्या कहते हैं, मोदी के लिए जेल आकर हमसे मिलने का यह एक अच्छा अवसर था। सितंबर 1976 में व्यापक तैयारियों के बाद मोदी भावनगर पहुंचे। उन्होंने 'स्वामीजी' के वेश में जेल परिसर में प्रवेश किया और अपने 'अनुयायियों' से मिलने की अनुमति सफलतापूर्वक प्राप्त कर ली।

रोड शो

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी में रोड शो के दौरान।

'आंधी' से लेकर 'नसबंदी' तक आपातकाल के दौरान कई फिल्मों को सेंसरशिप का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली/भाषा। आपातकाल के 21 महीनों के दौरान सरकार ने कला और सिनेमा जगत पर कठोर सेंसरशिप लागू की थी। इस दौरान ऐसी कई फिल्मों को अपनी विषयवस्तु को लेकर सेंसरशिप का सामना करना पड़ा था, जिनका निर्माण पूरा हो गया था या उन्हें बनाया जा रहा था। यहां उन प्रमुख फिल्मों की सूची दी गई है जिन्हें आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित किया गया, जिन पर रोक लगायी गयी या जिन्हें सेंसरशिप का सामना करना पड़ा:

1) आंधी– माना जाता है कि यह फिल्म तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन से प्रेरित है। गुलजार की 1975 में आयी इस फिल्म को रिलीज होने के कुछ समय बाद ही प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने कहा कि यह एक काल्पनिक कहानी है, लेकिन सुचित्रा सेन द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार आरती देवी और इंदिरा गांधी के बीच समानताओं को नज़रअंदाज करना मुश्किल था, खासकर उनके बालों में सफ़ेद धारियां। आपातकाल खत्म होने के बाद फिल्म से प्रतिबंध हटा लिया गया था।

2) किस्सा कुर्सी का– फिल्म निर्माता अमृत नाहटा द्वारा उस वक्त के राजनीतिक परिदृश्य पर व्यंग्य करते हुए बनाई गई इस फिल्म के 'नेगेटिव' को नष्ट कर दिया गया था और इसके प्रिंट को तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री वी.सी. शुक्ला ने जब्त कर लिया था, जो इंदिरा गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी के करीबी थे। फिल्म का मुख्य किरदार गंगाराम संजय गांधी पर आधारित था और इसमें शबाना आज़मी, राज बब्बर, राज किरण और उत्पल दत्त भी थे।

3) आंदोलन– लेख टंडन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से संबंधित थी। यह एक भारतीय शिक्षक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने गृहनगर में ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ विद्रोह शुरू करता है।

राकेश पांडे और नीतू सिंह अभिनीत इस फिल्म को आपातकाल के दौरान सेंसरशिप का सामना करना पड़ा।

इस तानाशाही कृत्य पर मेरी अंतरात्मा ने बगावत कर दीः देव आनंद ने कहा था

नई दिल्ली/भाषा। हिंदी फिल्म के दिग्गज अभिनेता देव आनंद ने अपनी आत्मकथा 'रोमांसिंग विद लाइफ' में लिखा है कि जब उन्होंने युवा कांग्रेस और इसके नेता संजय गांधी के पक्ष में बोलने का जोरदार और मुखरता से विरोध किया तो उनकी फिल्मों को टेलीविजन पर दिखाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और सरकारी मीडिया पर उनके नाम का उल्लेख करने पर भी रोक लगा दी गई थी।

अभिनेता ने साल 2007 में लिखी आत्मकथा 'रोमांसिंग विद लाइफ' में आपातकाल की अवधि तथा उसके बाद के महीनों का विस्तार से वर्णन किया है। आज आपातकाल को 50 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म 'बाजी', 'टैक्सी ड्राइवर', 'गाइड' और 'ज्वेल थीफ' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेता बताते हैं कि उनकी परेशानियां तब शुरू हुईं जब 'कांग्रेस की युवा शाखा की एक बेहद आकर्षक युवती' ने उन्हें संजय गांधी के नेतृत्व में आयोजित एक युवा रैली में शामिल होने के लिए कहा था। दिल्ली में आयोजित इस रैली में अभिनेता को पार्टी के सभी बड़े लोगों के अलावा अपने साथी दिलीप कुमार भी मिले।

देव आनंद ने अपनी किताब में लिखा, यह साफ तौर पर एक सुनियोजित रणनीति प्रतीत होती थी कि संजय गांधी को जनता के बीच स्वीकार्य करवाया जाए और वह भी ऐसे समय में जब कानून का शासन, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली के सभी मानकों को दबा दिया गया था। उन्होंने लिखा, आपातकाल केवल इस मकसद से लगाया गया था कि सत्ताधारी पार्टी सत्ता में बनी रहे और उस देश पर अपनी पकड़ बनाए रखे जो देश कभी विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता था। देव आनंद का 88 वर्ष की आयु में साल 2011 में निधन हो गया था। उन्होंने किताब में लिखा था कि इस रैली के बाद अभिनेताओं से टेलीविजन पर युवा कांग्रेस और उसके नेता के बारे में कुछ शब्द कहने के लिए कहा गया था। अभिनेता ने कहा, दिलीप भी आपातकाल के समर्थन में किसी भी तरह के प्रचार कार्यक्रम में जाने से हिचक रहे थे, लेकिन मैंने इस सुझाव का जोरदार और मुखर तरीके से विरोध किया, जिसका नतीजा यह हुआ कि न केवल मेरी सभी फ़िल्मों को टेलीविज़न पर दिखाने पर पाबंदी लगा दी गई बल्कि किसी भी सरकारी मीडिया में मेरे नाम का उल्लेख या संदर्भ देना भी मना कर दिया गया। ठीक वैसे ही जैसे किशोर कुमार के साथ किया गया था। उन्होंने भी उनके एक कार्यक्रम में जाकर गाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा, इस तानाशाहीपूर्ण कृत्य से मेरी अंतरात्मा ने विद्रोह कर दिया।

इसके बाद देवानंद ने दिल्ली में सूचना एवं प्रसारण मंत्री को फोन करके उनसे मिलने का समय मांगा और विरोध जताया। बाद में आपातकाल हटने पर जब जनता सरकार बनी तो कुछ ही सालों के भीतर देवानंद का उससे भी मोह भंग हो गया। और यहीं से उनके दिमाग में अपनी खुद की पार्टी बनाने का विचार आया जिसे 'नेशनल पार्टी आफ इंडिया' नाम दिया गया।

भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर शेयर की केन्या के मसाई मारा की तस्वीरें

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर अफ्रीकी देश केन्या के मसाई मारा नेशनल रिजर्व की अपनी यात्रा की तस्वीरें शेयर करते हुए इसे सबसे अद्भुत और अनमोल पलों में से एक बताया। 'मैंने प्यार किया' की अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर उन सभी जानवरों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिन्हें उन्होंने वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में की अपनी यात्रा के दौरान देखा था, जैसे जेबरा, जिराफ, हाथी, गैंडा, हिरण, दूसरे जंगली जानवर और मगरमच्छाउन पलों को याद करते हुए भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा, सोमवार की यादें! मसाई मारा.. मेरे लिए सबसे अद्भुत और अनमोल अनुभवों में से एक। ये कुछ ऐसे जानवर हैं, जिनसे हम करीब से मिले... बेशक शेर थे, ... और फिर जेब्रा, जिराफ, हाथी, गैंडे, हिरण, जंगली जानवर, मगरमच्छ और भी बहुत कुछा यह हमें एहसास कराता है कि मनुष्य के रूप में हम अपनी जगह शेयर करने में कितने सक्षम है। मुझे खुशी है कि मैंने इसे अपनी बकेट लिस्ट में शामिल किया।

इससे पहले, इस महीने की शुरुआत में भाग्यश्री ने अपने पति हिमालय दासानी के बारे में एक प्यारा सा खुलासा किया था कि उनकी शादी को कई साल हो चुके हैं, लेकिन हिमालय ने कभी आधिकारिक तौर पर उन्हें प्रपोज नहीं किया। हालांकि, इसकी भरपाई करने के लिए उन्होंने हाल ही में एक फोटोशूट के दौरान रोमांटिक प्रपोजल से उन्हें सरप्राइज दिया।

इस खास पल की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए भाग्यश्री ने लिखा था, पति का प्रपोजल! राज खुल गया... चाहे हिमालय जी के रोमांटिक पति होने के बारे में सभी कुछ भी सोचते हों.. वह पहले ऐसे नहीं थे और मैं उनसे कहती रही कि उन्होंने कभी मुझे प्रपोज ही नहीं किया।

तो मैं यहां फोटोशूट के बीच में थी और मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्होंने इस गाने के साथ हमें बीच में रोक दिया। पति ने आखिरकार अपने घुटनों पर बैठने का फैसला किया। कुछ कैंडिड तस्वीरें शेयर कर रही हूं जो मेरे फोटोग्राफर ने क्लिक की हैं।

आपातकाल भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय : पवन कल्याण

अमरावती/एजेन्सी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, जनसेना नेता और अभिनेता पवन कल्याण ने बुधवार को कहा कि 1975 में लगाया गया आपातकाल स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। उन्होंने आपातकाल को केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि संविधान के साथ विश्वासघात, लोकतंत्र का मखौल और तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व की सत्ता की लालसा का प्रतीक बताया। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, प्रेस को चुप कर दिया गया, विपक्ष की आवाज को दबा दिया गया और मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस, मोरारजी देसाई जैसे महान नेताओं को जेल में डाल दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर 'संविधान हत्या दिवस' मनाया जा रहा है, ताकि उन लोगों के बलिदान को याद किया जाए, जिन्होंने तानाशाही के खिलाफ डटकर मुकाबला किया और लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखा। पवन कल्याण ने आगे कहा, हमें उन नेताओं के बलिदान और लाखों लोगों की पीड़ा को याद रखना चाहिए, जिनकी आवाज को दबाया गया। आज भी हमें संविधान को राजनीति के नाम पर कमजोर करने की कोशिशों से सावधान रहना होगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी 'एक्स' पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 1975 में कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था। संविधान को कुचला गया, लाखों लोगों को जेल में डाला गया, मीडिया को चुप कराया गया और लोकतंत्र की हत्या की गई, सिर्फ एक परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए। उन्होंने जोड़ा, जिन्होंने अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश को जेल बनाया, उन्हें कभी भूलना नहीं चाहिए। संविधान से ऊपर कोई नहीं है और हम ऐसी तानाशाही को दोबारा नहीं होने देंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा, यह वह दिन था जब लोकतंत्र को दबाया गया और तानाशाही हावी हो गई।

'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं : काजोल

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस काजोल की अपकमिंग फिल्म 'मां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल ने बताया, 'मां' वह पहला शब्द है, जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। मेरे लिए 'मां' का मतलब देवी और मेरी मां तनुजा दोनों हैं। उन्होंने कहा कि 'मां' फिल्म का वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द इतना गहरा लगा कि इससे बेहतर कोई नाम नहीं हो सकता था।

काजोल का मानना है कि बॉलीवुड में हॉरर फिल्में कम बनी हैं। उन्होंने बताया, बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बहुत कम बनी हैं। कुछ ही फिल्में देखने को मिलती हैं। 1970-80 के दशक में रैमसे ब्रदर्स की डरावनी फिल्में बहुत लोकप्रिय थीं, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। फिर साल 2002 में 'रहस्य' जैसी हिट फिल्म आई, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद साल 2003 में 'भूत' जैसी साइकोलॉजिकल-थ्रिलर फिल्म बनी, जिसमें अजय देवगन थे। कुल मिलाकर, बॉलीवुड में हॉरर फिल्में कम हैं, लेकिन इन फिल्मों ने अपनी गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने कहा, 'मां' एक हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है। काजोल ने कहा कि बॉलीवुड में बेहतर स्क्रिप्ट्स की जरूरत है। उन्होंने बताया, हम सभी बेहतर कहानियों और मजबूत लेखन की ओर काम कर रहे हैं। हालांकि, हॉरर फिल्म कोई करना नहीं चाहता, ऐसा भी नहीं है। हम सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे थे। 'मां' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को भावनात्मक और रोमांचक अनुभव देगी। हॉरर फिल्म 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

मुंबई/एजेन्सी

मीना कुमारी की बायोपिक की घोषणा के बाद से ही कई बड़ी एक्ट्रेसेस इस फिल्म का हिस्सा बनने की दौड़ में हैं। अब खबर है कि इस आइकोनिक रोल के लिए मेकर्स ने कियारा आडवाणी को अप्रोच किया है। इस मेगाबजट फिल्म के राइट्स सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की टीम मानती है कि मीना कुमारी जैसी दिग्गज अदाकारा का किरदार निभाने के लिए कियारा एक बेहतरीन चॉइस हैं। स्क्रिप्ट कियारा को सुनाई जा चुकी है और उन्हें कहानी काफी पसंद भी आई है। हालांकि अभी उन्होंने आधिकारिक तौर पर हामी नहीं भरी है। अगर कियारा इस प्रोजेक्ट के लिए हां करती हैं, तो यह उनकी प्रेग्नेंसी के बाद शूट होने वाली पहली फिल्म हो सकती है, जो इस प्रोजेक्ट को और खास बना देती है।

कियारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो 'वार 2', 'टॉक्सिक' और अब मीना कुमारी की बायोपिक उनकी फिल्मों की लाइनअप वाकई दमदार दिख रही है। अब एक बड़ा सवाल ये भी है कि फिल्म में कमाल अमरोही का किरदार कौन निभाएगा? क्योंकि मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी में उनकी केमिस्ट्री ही फिल्म की जान होगी। आपकी क्या राय है कमाल अमरोही का रोल कौन निभाए, जो कियारा के साथ इस कहानी में जान डाल सके?

'निकिता रॉय' और 'मां' जैसी महिला आधारित फिल्मों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा है : सोनाक्षी

मुंबई/भाषा

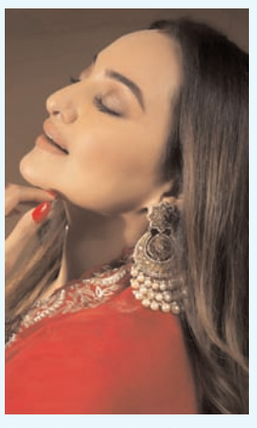

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि महिलाओं पर आधारित उनकी फिल्म 'निकिता रॉय' और अभिनेत्री काजोल की फिल्म 'मां' का एक साथ रिलीज होना एक बहुत खास पल है। 'निकिता रॉय' और 'मां' ये दोनों फिल्में 27 जून को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। सोनाक्षी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा , यह बहुत अच्छी बात है कि महिलाओं पर आधारित दो फिल्में एक साथ रिलीज हो रही हैं। यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। ये दोनों अलग-अलग फिल्में हैं और हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। यह दोनों फिल्मों के बीच अच्छी और स्वस्थ स्पर्धाकी तरह है। अभिनेत्री ने कहा , मैंने 'मां' फिल्म का ट्रेलर देखा है और मुझे यह पसंद आया। काजोल एक अद्भुत अभिनेत्री हैं। वह ऐसी शख्सियत हैं जिनका मैं सम्मान करती हूं और मैं उनकी प्रशंसक हूं।

ये दोनों ही फिल्में महिला सशक्तीकरण को दर्शाती हैं और ये एक ऐसा विषय है जिससे सोनाक्षी भावनात्मक तौर पर जुड़ी हुई हैं। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने सालों से महिलाओं को सशक्त बनाने वाली भूमिकाएं चुनने का प्रयास किया है, चाहे वह 'अकीरा' हो , दहाड़' हो या फिर 'हीरामंडी'। सिन्हा ने कहा , पिछले आठ-नौ साल में मैंने जो भी फ़िल्में चुनी हैं, उनसे मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि मैं सशक्त महिला किरदार निभाना चाहती हूं। 'निकिता रॉय' में सिन्हा एक ऐसा किरदार निभा रही हैं जो अलौकिक दावों को खारिज करती है और धोखाधड़ी को उजागर करने के साथ भ्रामक धारणाओं को तोड़ती है। लेकिन जब उसका सामना ऐसे मामले से होता है जो सभी मान्यताओं को चुनौती देता है, तो उनका दृढ़ विश्वास डगमगाने लगता है। 'फोबिया' के निर्देशक पवन कृपलानी द्वारा लिखी गई 'निकिता रॉय' धारणा और वास्तविकता के बीच की नाजुक कड़ी के इर्दगिर्द घूमती है।

फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश एस सिन्हा कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक अपनी पहली फिल्म बना रहे हैं।

अभिनेत्री ने कहा , यह एक ऐसी कहानी है जो लंबे समय से मेरे पास है, जब कुश 2021-2022 में कहानी लेकर मेरे पास आए थे। तब मैंने कहा था कि यह इस बात का प्रमाण है कि अगर कोई भूमिका आपके लिए लिखी गई है, तो वह हमेशा आपके पास आती है। जब सोनाक्षी से उनकी 2012 की फिल्म 'सन ऑफ सरदार' के 'सीक्वल' में उनके नजर नहीं आने के बारे में पूछा गया, तो सिन्हा ने कहा कि वह इससे परेशान नहीं हैं और उनका मानना है कि निर्माताओं के पास उन्हें न लेने का कोई कारण होगा। उन्होंने कहा , मैंने 'सन ऑफ सरदार' के किसी निर्माता से बात नहीं की है। लेकिन मुझे यकीन है कि उनके पास (मुझे शामिल नहीं करने का) एक बड़ा कारण होगा, शायद 'सीक्वल' में कहानी या किरदार वैसा न हो। अगर उन्होंने मेरे किरदार के लिए किसी और को चुन लिया होता, तो मुझे चिंता होती। लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। मैं इसे लेकर बहुत परेशान नहीं हूं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। 'निकिता रॉय' में अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण निकी भगनानी और विक्की भगनानी ने किया है। आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, मेहनाज शेख और प्रेम राज जोशी सह-निर्माता हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 26-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

योग हम भारत वासियों के लिए नया नहीं है यह अति प्राचीन है जब साधु संत ऋषि मुनि जंगलों में रहा करते थे तो वह योग और ध्यान के माध्यम से ही ईश्वर से जुड़ा करते थे उनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता था कि योग के माध्यम से अपने शरीर को जीवन को स्वस्थ कैसे रखें ताकि साधना कर सके साधनों से तो जीवन जिया जाता है लेकिन साधना से उसे जीवन का परम तत्व प्राप्त किया जाता है जिस उद्देश्य से हमने इस धरती पर जन्म लिया है।

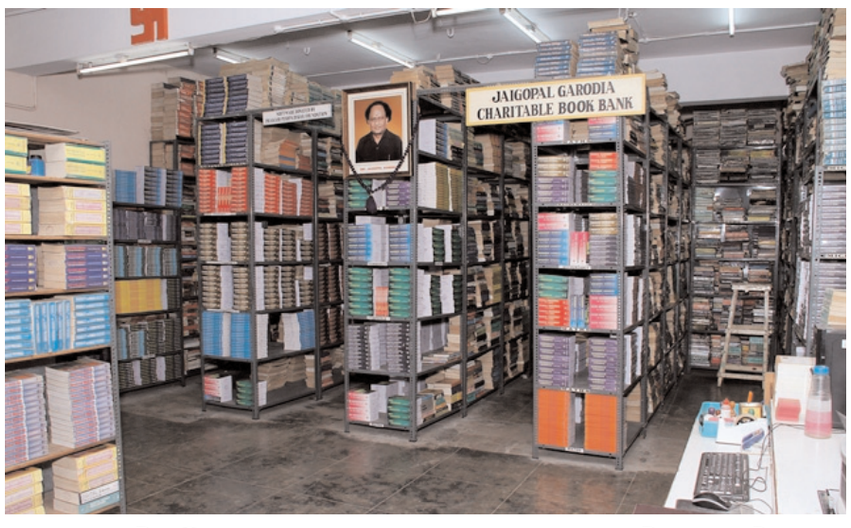

गारोदिया ट्रस्ट द्वारा कॉलेज के छात्रों के लिए निःशुल्क पुस्तकें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जेजीवीवी ट्रस्ट का जयगोपाल गरोडिया चैरिटेबल बुक बैंक, जो नंबर 6, सातवीं स्ट्रीट, 'यू' ब्लॉक, अन्ना नगर (फोन 2620 6261) पर संचालित है, उन कॉलेज छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है जिन्हें निःशुल्क पुस्तकों की आवश्यकता है। फॉर्म और उपलब्ध पुस्तकें www.jgvvbookbank.org से प्राप्त की जा सकती हैं। छात्र पहचान पत्र दिखाने पर फॉर्म बुक बैंक में भी उपलब्ध हैं।

बुक बैंक में वाणिज्य, लेखा, विज्ञान, कला, कंप्यूटर विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन आदि विषयों की 600 से अधिक पुस्तकों की लगभग चालीस हज़ार पुस्तकें हैं। सूची बुक बैंक में प्रदर्शित की गई है। कॉलेज अधिकारियों द्वारा प्रमाणित आवेदन पत्र के साथ छात्र के निवास का प्रमाण पत्र कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच व्यक्तिगत रूप से जमा करना होगा। पुस्तक बैंक पिछले 25 वर्षों से परोपकारी जयगोपाल गरोडिया के सपने को साकार करने के लिए काम कर रहा है, जिन्होंने वंचितों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों की एक श्रृंखला स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राज्य भर के 250 कॉलेजों के लगभग एक लाख अठारह हज़ार छात्र अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। अब तक बुक बैंक ने अन्ना विश्वविद्यालय और मद्रास विश्वविद्यालय स्तर पर सात स्वर्ण पदक विजेता तैयार किए हैं। पुस्तक बैंक ने विद्यार्थियों को पहले जारी की गई पुस्तकें वापस करने की भी सलाह दी है।

वैष्णव कॉलेज में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए सात दिवसीय दीक्षारम्भ का शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अरुम्बाक्कम स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय में 25 जून को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में स्थित मंदिर में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। पूजा के बाद सभी विद्यार्थियों को प्रसाद वितरण के बाद 2 जुलाई तक आई क्यू ए सी द्वारा आयोजित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए चलने वाले दीक्षारम्भ -2025 की शुरुआत हुई। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में प्रार्थना के बाद सबसे पहले कॉलेज के 60 वर्षों के सफर को दिखाते हुए एक आडिओ-वीडियो प्रस्तुत किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू ने सभी का स्वागत किया और कहा कि आप सभी को इस कॉलेज में प्रवेश मिला है यह आसान नहीं है। उन्होंने छात्रों को बताया कि किस प्रकार एक से शुरू होकर आज 60 से अधिक विषय कॉलेज में चल रहे हैं। आज कॉलेज में लगभग 12 हजार से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

महाविद्यालय के सचिव अशोक कुमार मूँधड़ा ने प्रथम वर्ष के छात्रों का वैष्णव महाविद्यालय परिवार में स्वागत किया और कहा कि वे स्वयं भी यहीं से पढ़े हैं और आज इसी कॉलेज में सचिव के पद पर हैं। आने वाले समय में आप सभी इस देश के भविष्य हैं। आपके लिए यहाँ अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण है जिसके द्वारा आप चाहे व्यापार करें, नौकरी करें या प्रशासनिक सेवा में जाएँ सभी कुछ प्राप्त कर सकते हैं। खुद पर फोकस रखिए क्योंकि आत्मज्ञान से बड़ा कोई ज्ञान नहीं है, खुद पर भरोसा रखिए।

उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कोयंबटूर से आए नमदु नम्बिक्के पत्रिका के सम्पादक एम मुत्तैया और दोपहर के सत्र में मुख्य अतिथि रक्षा लेखा नियंत्रक टी जयशीलम इदास ने विद्यार्थियों को अपने निजी जीवन से सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र दिया। इसके बाद कॉलेज क्षेत्र के सहायक आयुक्त रमेश ने विद्यार्थियों को ड्रग्स एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी और आगे बढ़ने के मूलमंत्र को बताया। श्रीनाथ फ़ाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उप परीक्षा नियंत्रक डॉ उमा ने विद्यार्थियों को सेमेस्टर के नियम और परीक्षा से संबन्धित अन्य जानकारी दी। प्रोफेसर जे पी जयदीप अनुशासन समिति के संयोजक ने अनुशासन के विभिन्न पहलुओं पर बात की।

सेलम में पितृ पर्व योग दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। बीजेएस सेलम चैप्टर द्वारा संस्थापक शांतिलाल मूथा की प्रेरणा से बीजेएस फाउन्डेशन परियोजना पर 'पितृ पर्व-योग दिवस' के अवसर पर 22जून को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 45 से अधिक लोगों की भागीदारी रही।

इस कार्यक्रम में वॉकिंग, योगा, गेम्स और केक कटिंग के साथ सभी प्रतिभागियों को उपहार दिए गए। कार्यक्रम में तीसरी पीढी भी उपस्थित थी। इस मौके पर मितेश ठक्कर और उनकी पत्नी ईशा से दांतों के लिए प्रकृति देखभाल उत्पाद कैंडी पेस्ट भी लॉन्च किया है।

परियोजना प्रमुख योग प्रशिक्षक राजू जैन तथा सहप्रमुख विकास सकारिया की उपस्थिति में आरती राठौड़ ने मेजबानी की है।

अध्यक्ष अनिल जैन एवं महिला विंग पिंकी और बीजेएस के साथी में नवीन, निकेश, दीपा, रेखा, नूतन, शर्मिला, निधि, सीमा, राजेश बंसल सभी सदस्यों ने सहायता की कार्यक्रम को सफल करने में सहयोग दिया।

इस कार्यक्रम के लिए उपहार प्रायोजक कांतिलाल जैन (मयूर एजेंसीज) तथा नाश्ता व जूस के प्रायोजक नवीन जैन रहे।

वीरेंद्र मुनि मा सा का चातुर्मास प्रवेश कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री एसएस जैन संघ स्थानक सैदापेट में पूज्य गुरुदेव श्री वीरेंद्र मुनि जी मा सा का चातुर्मास प्रवेश 27 जून दिन शुक्रवार को सुबह 9:30 बजे होने जा रहा है जिसकी शोभा यात्रा श्री एस एस जैन संघ माम्बलम टी नगर से सुबह 8:15 बजे निकाली जाएगी। मंत्री राजेंद्र कुमार लुकंड ने बताया कि इस पावन अवसर पर महासती धर्मप्रभा जी मा सा एवं मधुर व्याख्यानी विदुषी साध्वीरत्ना स्नेहप्रभा जी मा सा भी उपस्थित रहेंगी जिससे उनके दर्शन वंदन का लाभ मिलने से आध्यात्मिक आनंद की प्राप्ति होगी। उन्होंने बताया कि चार महीने चलने वाले इस चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन विभिन्न मांगलिक कार्यक्रम सूर्योदय से सूर्यास्त तक आयोजित किए जाएंगे जिसमें प्रवचन, धार्मिक कक्षा, मंगल पाठ, प्रतिक्रमण एवं ज्ञान चर्चा पूज्य गुरुदेव द्वारा किया जाएगा। संघ अध्यक्ष प्रकाश गांग अपनी टीम के साथ चातुर्मास प्रवेश की तैयारियों में लगे हुए हैं।

क्या कमाल की 'राइड' थी?: अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली/भाषा

स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्ष यान फ्लोरिडा में नासा के अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपण के 10 मिनट के भीतर पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर गया और इसमें रवाना हुए भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा कि कमाल की राइड (सफर) थी!

अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बने शुक्ला ने 41 वर्षों के अंतराल के बाद भारत की अंतरिक्ष में वापसी की घोषणा हिन्दी में की तथा सभी से उनकी यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

लड़ाकू पायलट से अंतरिक्ष यात्री बने शुक्ला (39) ने पृथ्वी की कक्षा से अपनी पहली टिप्पणी में कहा, मेरे कंधों पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं और मैं आप सभी के साथ हूं। उन्होंने कहा, नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों। क्या सफर था! हम 41 साल के अंतराल के बाद अंतरिक्ष में लौटे हैं और क्या कमाल की राइड थी!

शुक्ला ने कहा, हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं... यह सिर्फ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की मेरी यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है और मेरी इच्छा है कि सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें।

शुक्ला ने कहा, आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए...आइये हम सब मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की इस यात्रा पर चलें। जय हिंद! जय भारत।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया।

इससे 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान में अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

ड्रैगन अंतरिक्ष यान का नाम अंतरिक्ष यात्रियों ने ग्रेस रखा है और इसके बृहस्पतिवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने की उम्मीद है।

जियो मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम थाः मुकेश अंबानी

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने 2016 में रिलायंस जियो के साथ दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को अपने जीवन का सबसे बड़ा जोखिम बताया है। उन्होंने कहा कि यदि विश्लेषकों की वित्तीय विफलता की भविष्यवाणी सच भी हो जाती तो भी भारत को डिजिटल रूप से बदलने में इसकी भूमिका को देखते हुए यह जोखिम उठाना उचित होता। वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी 'मैकिन्से एंड कंपनी' के साथ साक्षात्कार में एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 4जी मोबाइल नेटवर्क शुरू करने में अपने स्वयं के अरबों डॉलर का निवेश किया था। इसको लेकर कुछ विश्लेषकों का कहना था कि यह वित्तीय रूप से सफल नहीं हो सकता है क्योंकि भारत सबसे उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने अपने निदेशक मंडल से कहा कि सबसे खराब स्थिति यह होगी कि हमें ज्यादा 'रिटर्न' नहीं मिलेगा। तो यह ठीक है, क्योंकि यह हमारा अपना पैसा है लेकिन रिलायंस के रूप में, यह भारत में हमारा अब तक का सबसे बड़ा परोपकारी काम होगा क्योंकि हम भारत का डिजिटलीकरण कर देश को पूरी तरह बदल चुके होंगे। जियो को 2016 में पेश किए जाने के बाद से, जियो ने मुफ्त 'वॉयस कॉल' और बेहद कम लागत वाला डेटा प्रदान करके भारतीय दूरसंचार बाजार में क्रांति ला दी है, जिससे प्रतिस्पर्धियों को कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है और देश भर में तेजी से डिजिटल अपनाने को बढ़ावा मिला है।

धर्म और राष्ट्र के लिए संतान का समर्पण सबसे महान : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कोप्पल के निवासी जैन मुनि वीरविमलसागरजी को लेकर पहली बार कोप्पल आए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवेश के मौके पर बुधवार को स्थानीय महावीर समुदाय भवन में उपस्थित जनों से कहा कि करीब साढ़े पांच वर्ष पूर्व अपने सुपुत्र को नन्हीं आयु में धर्म के पथ पर अर्पित कर मेहता परिवार ने गौरवशाली काम किया है। आधुनिक युग में जब हमारे किशोर और युवा गलत आदतों के अधीन होकर अपना जीवन बरबाद कर रहे हैं, तब धर्म या राष्ट्र के लिए अपनी संतान को समर्पित करना महत्तम त्याग है। हजारों लाखों परिवारों के लिए यह त्याग किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जैन धर्म के पिछले पच्चीस सौ वर्षों के इतिहास में ऐसे हजारों बालक हैं, जो नन्हीं उम्र में संन्यास ग्रहण कर विद्वान संत या आचार्य बने। जिन्होंने समाज, धर्म, राष्ट्र और मानवता के अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। आर्य जंबू, आर्य सुहस्ति, आचार्य सिद्धसेन, आचार्य हरिभद्र, आचार्य हेमचंद्र आदि अनेक ऐसे नाम हैं, जो इतिहास में अमर हो गए। जमाना उन्हें कभी भूल नहीं पाएगा।

विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मोह और परिग्रह बहुत मजबूत होते हैं इसलिए धन, भोजन, वाहन, समय या अपना घर किसी को देना सरल नहीं है। ऐसा त्याग सामान्यतया कोई करता नहीं, ज्यादातर लोगों में ऐसी उदारता नहीं होती। दुनिया अधिक से अधिक इकट्ठा करना चाहती हैं, त्याग करना लगभग कोई नहीं चाहता। इसलिए वे माताएं और वे परिवार सचमुच महान् होते हैं जो अपनी संतानों को धर्म, राष्ट्र या मानवता की राह पर अर्पित कर देते हैं। उनके बलिदान की बराबरी शायद कोई नहीं कर सकता।

राजभाषा कार्यान्वयन के प्रचार-प्रसार में जुटा एफसीआई का क्षेत्रीय कार्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, एवं अधीनस्थ मंडल कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति को जायजा लेने हेतु 23 जून को विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन तमिलनाडु क्षेत्र के महाप्रबंधक प मुत्तुमारन की अध्यक्षता में की गई। साथ ही उपमहाप्रबंधक राजभाषा अरुण कुमार, उपमहाप्रबंधक गगन कुमार मिश्रा, रवि शास्त्री, गौरव सक्सेना एवं समिति के सभी सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में समिति द्वारा वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 में दिए गए मदों पर चर्चा, अन्नालयम राजभाषा गृह पत्रिका के छठे अंक के प्रकाशन, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए हिंदी बुक्स एवं पिरियाडिकल्स हेड के तहत हिंदी पुस्तकों की खरीददारी आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बैठक में 20 जून को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(उपक्रम) चेन्नै के तत्वावधान में अर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड, आवडी द्वारा प्रायोजित -अंतर उपक्रम नाटक प्रतियोगिता में भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, द्वारा तृतीय पुरस्कार पाए जाने पर नाटक टीम में शामिल सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, जो काफी प्रेरणा एवं उत्साहवर्धक रहा। अध्यक्ष द्वारा यह आग्रह किया गया है कि आनेवाले दिनों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार में नई कड़ी के रूप में रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया जाए। बैठक का संचालन राजभाषा प्रबंधक कुणाल कुमार गुप्ता ने किया गया एवं धन्यवाद प्रस्ताव लोकेश कुमार साह ने किया।

प्रदर्शनी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को कोयंबटूर के पीलेमेडु में भाजपा मुख्यालय में भाजपा समेत हिंदू संगठनों ने आपातकाल के काले दिनों को याद किया। भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती वनती श्रीनिवासन के नेतृत्व में आपातकाल की प्रदर्शनी के साथ एक समारोह आयोजित किया गया। सभी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश कुमार, भाजपा राज्य कोषाध्यक्ष एसआरएस खार और पूर्व विधायक चैलेंजर दुरई आदि उपस्थित थे।

नमक हराम व्यक्ति धार्मिक इंसान कहलाने के लायक नहीं : कमल मुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जिस थाली में खाते हैं उसी थाली में छेद करते हैं, ऐसे नमक हराम व्यक्ति को धार्मिक तो क्या इंसान कहलाने का अधिकार भी नहीं है। यह विचार राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने भारतीनगर जैन स्थानक में सभा को संबोधित करते कहा कि ऐसा मानव कितनी भी साधना कर ले, चाहे चारों धाम की यात्रा कर ले, करोड़ों का दान दे दे, उसकी सारी क्रियाएं मुर्दे को श्रृंगार कराने के समान मानी जाएगी।

उन्होंने कहा कि पशुओं से सबक लेना चाहिए, पशु जिसका अन्न लेता है। उसकी रक्षा के लिए अपनी जान लुटा देता है। वह पशु होकर भी विश्व पूजनीय बन जाते हैं जैसे चेतक घोड़ा।

मुनि कमलेश ने बताया जगत के प्रत्येक प्राणी का अनंत उपकार हमारे ऊपर है। जिनके ऊपर हमारा जीवन टिका हुआ है उपकारी को अनदेखा करना साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है। उन्होंने कहा कि इंसान तो छीन कर लेगा, क्षेत्र छोड़कर भाग जाएगा, अनीति कर लेगा, लेकिन मूक अबोध प्राणी अपनी पीड़ा भी व्यक्त नहीं कर सकता। उसकी पीड़ा को समझ कर दूर करने वाला उनके लिए साक्षात भगवान के रूप में है। जैन संत ने कहा कि अबोध प्राणियों की निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले के लिए उनके आत्मा से निकलने वाली दुआएं हमारे कर्मों को क्षय कर नए नसीब निर्माण का काम कर देती है।

मुनि कमलेश के क्रांतिकारी विचारों से प्रभावित होकर तत्काल कबूतर की सेवा के लिए 2 लाख की राशि एकत्रित हो गई। साहूकारपेठ चातुर्मास समिति के चेयरमेन सुरेश लुणावत, महामंत्री संजय पींचा का संघ की ओर से अशोक बोथरा, अनिल डोषी, हीरालाल काठेड़, सञ्जन राज सुराणा, सुशील बाफना, अशोक चंडालिया, भरत बागमार, राजेश चौरड़िया ने सम्मान किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.